RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

बच्चे ज्यादातर वही, चुन लेते हैं कोर्स।
करते हैं जिनके लिए, मम्मी-पापा फोर्स।
मम्मी-पापा फोर्स, कौन इनको समझाये।
करवाते वह काम, नहीं जो खुद कर पाये।
कह साहिल कविराय, अकल से होते कच्चे।
कर लेने दें वही, चाहते हैं जो बच्चे।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 173 | THURSDAY DATE 16-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

दिल्ली के नागरिकों को तय समय-सीमा में मिलेंगी सरकारी सेवाएं : रेखा गुप्ता

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई ।

दिल्ली सरकार की कैबिनेट ने नागरिकों के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए दिल्ली राइट ऑफ सिटिजन टू टाइम बाउंड एंड ईज ऑफ डिलीवरी ऑफ सर्विस बिल, 2026 (दिल्ली (नागरिकों का समयबद्ध व सुगम सेवा प्रदाय का अधिकार विधेयक, 2026) को स्वीकृति प्रदान कर दी है।

इस विधेयक में सरकारी अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के लिए स्पष्ट दंडात्मक व्यवस्था की गई है।

बिना उचित कारण के सेवा प्रदान करने में देरी होने पर सम्बंधित अधिकारी पर प्रति दिन 250 रुपए का दंड, जिसकी अधिकतम सीमा 5,000 रुपए होगी, लगाया जा सकेगा। हालांकि, अधिकारी पर दंड लगाने से पहले उसे अपना पक्ष रखने और स्पष्टीकरण देने का पूरा अवसर दिया जाएगा, जिससे प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन सुनिश्चित होगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक नागरिक को निर्धारित समय-सीमा के भीतर सरकारी सेवाएं प्राप्त हों। साथ ही, सरकारी विभागों और अधिकारियों को सेवा प्रदान करने में होने वाली देरी तथा लापरवाही के लिए अधिक जवाबदेह बनाया जाए। यह कानून दिल्ली में प्रशासनिक सुधारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा और नागरिकों को अधिक पारदर्शी, सरल, प्रभावी और तकनीक आधारित सेवाएं उपलब्ध कराने में मील का पत्थर बनेगा।

दिल्ली सरकार ने 'राइट टू टाइम बाउंड सर्विसेज' बिल को दी मंजूरी

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार ने प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए 'दिल्ली (राइट ऑफ सिटिजन टू टाइम बाउंड एंड ईज ऑफ डिलीवरी ऑफ सर्विसेज) बिल, 2026' को मंजूरी दे दी है। यह नया कानून सरकारी सेवाओं की डिलीवरी में पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्यकुशलता बढ़ाने के उद्देश्य से लाया गया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) दिल्ली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक सुधार तय समय में सरकारी सेवाएं प्राप्त करना हर नागरिक का कानूनी अधिकार बनाएगा। यह बिल वर्ष 2011 के राइट टू सर्विस कानून की जगह लेगा और नागरिकों को केंद्र में रखकर तैयार किए गए आधुनिक तथा तकनीक-आधारित कानूनी ढांचे को लागू करेगा। इस नए कानून के तहत नागरिकों को समयबद्ध सरकारी सेवाओं का कानूनी अधिकार मिलेगा। सरकारी सेवाओं की पूरी प्रक्रिया एंड-टू-एंड डिजिटल होगी, जिससे लोगों को बार-बार सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

संक्षिप्त खबरें

वर्ष 2028 के बाद एक भी लीटर गंदा पानी नहीं जायेगा यमुना नदी में

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई । केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि गटर के पानी और औद्योगिक कचरे के शुद्धिकरण के लिए राजधानी दिल्ली में लगभग 80 उपचार संयंत्रों पर काम शुरू हो चुका है और वर्ष 2028 के अंत तक यह सुनिश्चित किया जायेगा कि एक भी लीटर गंदा पानी यमुना नदी में न जाये। दिल्ली नगर निगम और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ने राजधानी दिल्ली में गोबर के समुचित उपयोग के लिए कंप्रेस्ड बायो-गैस संयंत्रों की स्थापना के लिए बुधवार को यहां श्री शाह की मौजूदगी में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये। इस अवसर पर केन्द्रीय पशुपालन एवं डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह, दिल्ली के उप-राज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केन्द्रीय गृह सचिव और केन्द्रीय सहकारिता सचिव सहित केन्द्र एवं दिल्ली सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

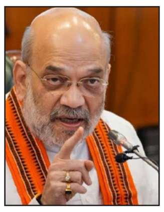

महादेव ऐप मामले में भाजपा नेताओं की भूमिका की जांच हो, ईडी पर दबाव न हो : देवेंद्र

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई । दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने महादेव बेटिंग ऐप से जुड़े कथित धन शोधन मामले को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा और कहा कि यदि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर किसी प्रकार का दबाव न डाला जाए तो 1,200 करोड़ रुपये के इस कथित घोटाले में कई भाजपा नेताओं के नाम सामने आ सकते हैं। श्री यादव ने आरोप लगाया कि दिल्ली भाजपा के आर्थिक प्रकोष्ठ के संयोजक विकास गर्ग की गिरफ्तारी और उनसे जुड़ी कंपनियों की लगभग 940.77 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क होना गंभीर मामला है। भाजपा इस मामले को व्यक्तिगत व्यापारिक गतिविधि बताकर पल्ला झाड़ने की कोशिश कर रही है, जबकि इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि विकास गर्ग से इससे पहले भी कथित सीमा शुल्क धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ हो चुकी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सत्ता संभालने के बाद भाजपा सरकार पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लग रहे हैं।

सेना प्रमुख ने पूर्वी कमान का दौरा कर सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया

नयी दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई । सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा के आस-पास के क्षेत्रों के दौरे के बाद बुधवार को रणनीतिक रूप से अहम पूर्वी कमान की प्रमुख सैन्य इकाइयों का दौरा कर संचालन तैयारियों और मौजूदा सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया है। सेना के अनुसार इस दौरान उन्होंने सतर्कता, आधुनिकीकरण और युद्ध के लिए तैयारी पर भारतीय सेना के फोकस को फिर से दोहराया। जनरल सेठ को त्रिशक्ति कोर के दो दिन के दौरे में पूर्वी कमान में संचालन माहौल और संवेदनशील सीमाओं पर सुरक्षा हालात के बारे में जानकारी दी गई।

भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक और व्यापार समझौता लागू होना महत्वपूर्ण क्षण: मोदी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने को महत्वपूर्ण क्षण करार देते हुए कहा है कि इससे दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंध और अधिक मजबूत होंगे। श्री मोदी ने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के सोशल मीडिया पर इस समझौते के आज से लागू होने से संबंधित पोस्ट पर प्रतिक्रिया करते हुए बुधवार को कहा कि समझौते का लागू होना भारत ब्रिटेन साझेदारी के लिए महत्वपूर्ण क्षण है। प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह भारत-यूनाइटेड किंगडम साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) तथा सामाजिक सुरक्षा समझौते के लागू होने के साथ ही हमारे आर्थिक संबंध और अधिक गहरे होने जा रहे हैं। ये दोनों ऐतिहासिक समझौते हमारी साझा महत्वाकांक्षाओं को दोनों देशों के लोगों के लिए ठोस अवसरों में बदलते हैं।' उन्होंने कहा कि सीईटीए हमारे किसानों, उद्यमियों और एमएसएमई के लिए नई गति लेकर आएगा। अनेक उभरते हुए क्षेत्रों को ब्रिटेन के बाजार तक बेहतर पहुँच मिलेगी। यह प्रौद्योगिकी, पेशेवर सेवाओं और नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग को भी और सुदृढ़ करेगा, साथ ही कुशल भारतीय प्रतिभाओं की अधिक गतिशीलता को भी प्रोत्साहित करेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा समझौता ब्रिटेन में अस्थायी रूप से कार्यरत भारतीय पेशेवरों को अमूल्य सहयोग प्रदान करेगा तथा भारतीय उद्यमों की प्रतिस्पर्धात्मकता को और मजबूत बनाएगा।

दिल्ली में महिलाओं के लिए शुरू होगा लेडीज स्पेशल इलेक्ट्रिक बस नेटवर्क

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई ।**

दिल्ली सरकार ने राजधानी में महिलाओं की सुरक्षित, सम्मानजनक और सुविधाजनक यात्रा सुनिश्चित करने के लिए केवल महिलाओं के लिए समर्पित लेडीज स्पेशल इलेक्ट्रिक बस नेटवर्क शुरू करने का फैसला किया है। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा को और मजबूत करना तथा सामान्य बस सेवाओं में भीड़भाड़ कम करना है। उन्होंने बताया कि इन रूटों का चयन उन कॉरिडोर के आधार पर किया गया है, जहां महिला यात्रियों की आवाजाही सबसे अधिक रहती है। लेडीज स्पेशल बसें सुबह करीब 7:52 बजे से 9 बजे तक तथा शाम 4:32 बजे से 6:15 बजे तक संचालित होंगी, जिससे कार्यालय आने-जाने वाली महिलाओं को विशेष सुविधा मिलेगी। वहीं यूनिवर्सिटी स्पेशल बसें कॉलेजों के समय के अनुरूप संचालित होंगी और नजफगढ़, रोहिणी, जनकपुरी, मुंडका, मयूर विहार, कालकाजी, पल्ला तथा धौलाकुआं जैसे क्षेत्रों को विश्वविद्यालय परिसरों से जोड़ेंगी। डॉ. पंकज ने बताया कि सभी बसें 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक होंगी और इनमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी निगरानी, ऑपरेशन कंट्रोल सेंटर से जुड़े पैनिक बटन, दिव्यांगजन-अनुकूल लो-फ्लोर रैंप तथा आवश्यकता पड़ने पर बस मार्शल या महिला पुलिसकर्मियों की तैनाती की जायेगी। इन बसों की विशेष ब्रांडिंग होगी और इन्हें पिंक स्मार्ट कार्ड प्रणाली से भी जोड़ा जायेगा।

राहुल के देहरादून अभियान से डरी सरकार, परेड ग्राउंड की अनुमति की रद्द : कांग्रेस

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई ।**

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि उत्तराखंड की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत 17 जुलाई को देहरादून परेड ग्राउंड में होने वाले कार्यक्रम की अनुमति साजिशन रद्द कर दी है।

पार्टी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर उत्तराखंड कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल और विधानसभा में विपक्ष के नेता यशपाल आर्य के पोस्ट साझा करते हुए बुधवार को कहा कि उत्तराखंड सरकार का यह फैसला साफ तौर पर दर्शाता है कि भाजपा श्री गांधी के अभियान से घबरा गयी है। उत्तराखंड कांग्रेस के नेताओं ने अपने अलग-अलग पोस्ट में कहा कि भाजपा सरकार नहीं चाहती है कि श्री गांधी का कार्यक्रम परेड ग्राउंड में हो इसलिए प्रशासन के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति निरस्त कर दी गयी है। पार्टी का दावा है कि प्रशासन ने दूसरे कार्यक्रम का हवाला दिया, जबकि देर रात कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं के पहुंचने पर पूरा परेड ग्राउंड मैदान खाली मिला। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी इस फैसले से डरने वाली नहीं है और 17 जुलाई को होने वाला 'छात्रों की गूंज' अभियान का कार्यक्रम ऐतिहासिक होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रम में बाधा डालना भाजपा सरकार की राजनीतिक घबराहट को दर्शाता है।

सीएम धामी ने चमोली को 155.36 करोड़ की 63 विकास परियोजनाओं की सौगात दी

» **चमोली, यूटर्न/ 15 जुलाई ।**

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को गोपेश्वर स्थित पुलिस मैदान में आयोजित 'सेवा, सुशासन एवं समर्पण' सेवा पखवाड़े के अंतर्गत 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम में जनपद चमोली के विकास को नई गति देते हुए विभिन्न विभागों की कुल 63 विकास योजनाओं की सौगात दी।

मुख्यमंत्री ने 113.99 करोड़ रुपए की लागत से 36 विकास योजनाओं का शिलान्यास तथा 41.37 करोड़ रुपए की लागत से 27 विकास योजनाओं का लोकार्पण किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य विकास योजनाओं का लाभ अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है। सड़क, पुल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई, बाढ़ सुरक्षा, पशुपालन, पर्यटन और आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। चमोली जनपद धार्मिक, सांस्कृतिक और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है तथा सरकार यहां विकास और जनसुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री ने 113.99 करोड़ रुपए की लागत वाली 36 विकास योजनाओं का शिलान्यास किया।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

दिन-दहाड़े इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान से 38 किग्रा तांबा प्लेट चोरी

साहिबाबाद, यूटर्न/ 15 जुलाई । थानाक्षेत्र के श्यामपार्क मेन निवासी विनोद कुमार की इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान का शटर खोलकर चोरों ने 38 किग्रा तांबे की प्लेट चोरी कर ली। उसकी कीमत करीब 50 हजार रुपये थी। मामला 11 जुलाई की दोपहर का है, पुलिस ने 14 जुलाई को प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की है। पीड़ित ने दर्ज मामले में बताया कि वह इलेक्ट्रानिक्स की दुकान चलाते हैं। 11 जुलाई की दोपहर करीब 2:30 बजे वह खाना खाने के लिए दुकान का शटर गिराकर घर चले गए। करीब 3:30 बजे वह वापस आए तो दुकान का शटर उठा मिला। दुकान से 50 हजार रुपये की 38 किग्रा तांबे की प्लेट गायब थी। दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो देखा कि क्षेत्र के ही रवि और अमित दुकान से तांबे की प्लेट ले जाते दिखाई दिए। उन्होंने डायल 112 पर कॉल करके पुलिस को आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। प्रभारी एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

घर में पड़ा मिला बुजुर्ग सुरक्षा गार्ड का शव

लोनी, यूटर्न/ 15 जुलाई । अंजलि विहार कॉलोनी निवासी जगदीश (75) का शव सोमवार रात उन्हीं के कमरे में संदिग्ध हालात में मिला। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृत होने की पुष्टि के बाद शव को मोर्चरी भिजवाया। एसीपी अंकुर विहार अमनदीप मौर्य ने बताया कि जगदीश एक निजी फैक्टरी में गार्ड की नौकरी करते थे। कॉलोनी स्थित मकान में वह अकेले रहते थे और आस पड़ोस के लोग ही उनका ध्यान भी रखते थे। सोमवार को जब देर रात तक पड़ोसियों ने उन्हें घर से निकलते हुए नहीं देखा तो पुलिस को सूचना दी।

अंतर्राष्ट्रीय युवा कौशल दिवस पर सांसद नवीन जिंदल की पहल रंग लाई, जिंदल स्टील ओमान के लिए युवाओं का चयन

दो सप्ताह में जिंदल स्टील ओमान रवाना होंगे चयनित युवा, जर्मनी के लिए 61 युवाओं ने बी-1 परीक्षा उत्तीर्ण की, इनमें 17 युवतियां शामिल।

» प्रमोद कौशिक/संजीव कुमारी

थानेसर, यूटर्न/ 15 जुलाई । अंतर्राष्ट्रीय युवा कौशल दिवस के अवसर पर नवीन जिंदल फाउंडेशन द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले इंटरनेशनल स्किल सेंटर, बहलोलपुर में विशेष रोजगार एवं साक्षात्कार सत्र आयोजित किया गया। सांसद कार्यालय की ओर से आवेश सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिंदल की पहल पर आयोजित इस अभियान में जिंदल स्टील ओमान सहित विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों ने युवाओं के साक्षात्कार लिए।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन से डॉ. मनीष मिश्रा और कर्नल अरुण चंदेल ने बताया कि जिंदल स्टील ओमान के लिए लगभग 220 युवाओं के इंटरव्यू हुए, जिनमें से 30 युवाओं का चयन सुनिश्चित हो चुका है, जबकि स्क्रीनिंग प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा अन्य घरेलू कंपनियों ने करीब 450 युवाओं के साक्षात्कार लेकर लगभग 250 युवाओं का चयन किया है। जिंदल स्टील ओमान के लिए चयनित युवाओं की सभी औपचारिकताएं अगले दो सप्ताह में पूरी कर उन्हें रोजगार के लिए रवाना किया जाएगा।

डॉ. मनीष मिश्रा ने कहा कि सांसद नवीन जिंदल का संकल्प है कि कोई भी युवा बेरोजगार न रहे।

उन्होंने युवाओं से कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर ही विदेश जाने का आ'ान करते हुए कहा कि वैश्विक स्तर पर कुशल युवाओं की सबसे अधिक मांग है। कर्नल अरुण चंदेल ने बताया कि इंटरव्यू में अमृतसर, गुजरात सहित विभिन्न राज्यों के युवा भी पहुंचे, लेकिन कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के प्रशिक्षित युवाओं को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने कहा कि जिंदल स्टील ओमान ही नहीं, बल्कि अन्य अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में भी कुशल युवाओं की लगातार मांग बढ़ रही है। केआईएससी के अभिषेक सहगल ने बताया कि चयनित युवाओं के लिए प्री-डिपार्चर ओरिएंटेशन ट्रेनिंग आयोजित की जाएगी, जिसमें संबंधित देश के कानून, संस्कृति, रहन-सहन और कार्यस्थल से जुड़ी आवश्यक जानकारी दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि जर्मनी में रोजगार के लिए 86 में से 61 युवाओं ने बी-1 स्तर की परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण की है, जिनमें 17 युवतियां शामिल हैं।

वर्ष के अंत तक इन्हें जर्मनी भेजने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। प्रारंभिक चरण में इन युवाओं को एक लाख रुपये से अधिक मासिक मानदेय मिलेगा, जो स्थायी नियुक्ति के बाद तीन लाख रुपये प्रतिमाह से अधिक हो सकता है। जापान, फिनलैंड सहित कई देशों के साथ भी कौशल आधारित रोजगार के अवसरों पर कार्य किया जा रहा है।

'एक पेड़झ्रएक जीवन' अभियान के अंतर्गत बीटीसी, आईटीबीपी में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

पंचकूला, यूटर्न/ 15 जुलाई । 'एक पेड़झ्रएक जीवन' अभियान के अंतर्गत बीटीसी, आईटीबीपी में परिवारों द्वारा उत्साहपूर्वक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन श्रीमती विनीता गोराया की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रीमती साक्षी, श्रीमती पिंकी कश्यप सहित सभी पदाधिकारियों की महिलाओं एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा प्रत्येक व्यक्ति को कम से कम एक पौधा लगाकर उसके संरक्षण के लिए प्रेरित करना था। उपस्थित सभी सदस्यों ने पौधों की नियमित देखभाल करने एवं हरित एवं स्वच्छ वातावरण के निर्माण में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। हावा अधिकारी श्रीमती चित्रा रेखा ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का आ'ान किया।

श्री मारकंडेश्वर महादेव मंदिर में शुरू हुई आषाढ़ गुप्त नवरात्र पूजा

» अश्विनी वालिया/ कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 15 जुलाई ।

मारकंडा नदी के तट पर स्थित श्री मारकंडेश्वर महादेव मंदिर ठसका मीरां जी में आषाढ़ गुप्त नवरात्रों के पहले दिन अखिल भारतीय श्री मारकंडेश्वर जनसेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत जगन्नाथ पुरी के सान्निध्य में हवन यज्ञ एवं पूजन किया गया। यह पूजन मंदिर परिसर में स्थित बारह ज्योतिलिंगों पर अनुष्ठान के बाद लाई गई मां भगवती की अखंड ज्योति पर किया गया। महंत जगन्नाथ पुरी ने बताया कि प्रत्येक नवरात्र पर अखंड ज्योति पर पूजन एवं हवन किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस बार गुप्त नवरात्रों पर सर्व कल्याण की भावना से विद्वान ब्राह्मण एवं संत महापुरुष पूजन कर रहे हैं। इस अवसर पर स्वामी संतोषानंद, स्वामी रामनाथ पुरी, स्वामी गोपाल, नवीन कुमार, बिल्लू पुजारी, सुक्खा सिंह, नाजर सिंह इत्यादि भी मौजूद रहे।

श्री अग्रसेन यूथ एसोसिएशन (साया) के पदाधिकारियों की हुई नियुक्तियां

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 15 जुलाई । श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रधान विशाल सिंगला एवं समस्त कार्यकारिणी द्वारा बुधवार को आयोजित बैठक में

श्री अग्रसेन यूथ एसोसिएशन (साया) के नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। नियुक्ति पत्र प्राप्त करने के उपरांत सभी पदाधिकारियों ने श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रति पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ कार्य करने तथा समाज सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के प्रधान विशाल सिंगला ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि संगठन की मजबूती सभी के सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम समाजहित के कार्यों को और अधिक गति प्रदान करेगी तथा सामाजिक एकता एवं सेवा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगी। बैठक में श्री वैश्य अग्रवाल पंचायत के उप प्रधान जितेंद्र गोयल, महासचिव नवकेतन गोयल, कैशियर विशेष गर्ग, सहसचिव अभय मित्तल, सतपाल, गौरव मित्तल, राजीव गर्ग, कुलवंत गर्ग, जयपाल गोयल सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर सर्वसम्मति से नवीन बंसल को साया का प्रधान नियुक्त किया गया। साथ ही विनोद सिंगला को संयोजक, अंकुश गर्ग को सह संयोजक, हिमांशु बंसल को उपप्रधान, सुमित मित्तल को महासचिव, बृज मोहन गर्ग एवं पीयूष बंसल को कैशियर, अंकित गर्ग को कानूनी सलाहकार, विकास बंसल, दौलत एवं सचिन अग्रवाल को सह सचिव नियुक्त किया गया। सभी मौजूद पंचायत प्रतिनिधियों ने साया के पुनर्गठन का स्वागत किया एवं नई जिम्मेदारी के लिए सभी नवनियुक्त सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

क्या आधुनिकता की दौड़ में हम संस्कार भूलते जा रहे हैं: मीनाक्षी सोनी

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 15 जुलाई । आज का समय बहुत तेजी से बदल रहा है। शिक्षा, तकनीक और आधुनिक सोच ने हमें आगे बढ़ने के अनेक अवसर दिए हैं, लेकिन इसके साथ-साथ नैतिक मूल्यों और संस्कारों का महत्व भी कम होता दिखाई दे रहा है। यह चिंता का विषय है कि कुछ लोग अपने स्वार्थ, गुस्से या बदले की भावना में ऐसे कदम उठा लेते हैं जिनसे किसी निर्दोष व्यक्ति और उसके पूरे परिवार का जीवन बर्बाद हो जाता है।

आज समाज में ऐसे कई मामले सामने आते हैं जहाँ रिश्तों में विश्वास की जगह अहंकार, संवाद की जगह धमकी और समझदारी की जगह जल्दबाजी ने ले ली है। कहीं झूठे आरोप लगाए जाते हैं, कहीं मानसिक प्रताड़ना दी जाती है, तो कहीं छोटी-छोटी बातों को इतना बढ़ा दिया जाता है कि किसी की जान तक चली जाती है या पूरा परिवार टूट जाता है।

यह केवल किसी एक लड़के या लड़की की समस्या नहीं है। सच यह है कि गलत सोच और गलत संस्कार किसी में भी हो सकते हैं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि कानून का दुरुपयोग हो या किसी भी प्रकार की हिंसा—उसका सबसे बड़ा नुकसान

एक निर्दोष इंसान और उसके परिवार को उठाना पड़ता है।

हमें अपने बच्चों को केवल अच्छी शिक्षा ही नहीं, बल्कि सत्य, सम्मान, धैर्य, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनाओं के संस्कार भी देने होंगे। बेटियाँ हों या बेटे—दोनों को यह सिखाना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य भी होते हैं, और किसी के जीवन, सम्मान या भविष्य से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को नहीं है।

एक सभ्य समाज वही है जहाँ न्याय तथ्यों के आधार पर हो, कानून का सम्मान हो, और हर व्यक्ति—चाहे वह महिला हो या पुरुष—को निष्पक्ष सुनवाई और सम्मान मिले। आधुनिकता तभी सार्थक है जब उसके साथ संस्कार, संवेदनशीलता और मानवता भी बनी रहे।

भांजे पर मामी से दुष्कर्म का आरोप, मामला दर्ज

साहिबाबाद, यूटर्न/ 15 जुलाई । टीलामोड़ क्षेत्र निवासी एक शिक्षक ने अपने सगे भांजे पर पत्नी से दुष्कर्म और घर में चोरी करने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है। आरोप है कि जनवरी माह में पत्नी को नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया और घर से जेवरात व 50 हजार रुपये लेकर भाग गया। पुलिस को शिकायत दी, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की। इसके बाद पीड़ित ने अदालत का दरवाजा खटखटाया। अब 6 माह बाद कोर्ट के आदेश पर 14 जुलाई को मामला दर्ज किया है। अदालत को दिए प्रार्थनापत्र में बताया कि उनका सगा भांजा संभल से टीलामोड़ पढ़ने के लिए उनके घर रहने आया था। उस दौरान उनकी एसआईआर में ड्यूटी लगी थी। आरोप है कि उनके ड्यूटी पर जाने के बाद भांजे ने कई बार पानी में नशीला पदार्थ मिलाकर उनकी पत्नी को पिलाया और दुष्कर्म किया। जब वह घर लौटते तो पत्नी को बेहोशी की हालत में देखते, लेकिन ड्यूटी की वजह से डॉक्टर को नहीं दिखा पाए। दो जनवरी को भांजा अपने घर चला गया और जब लॉकर में रखे सोने के जेवरात व 50 हजार रुपये भी निकालकर ले गया।

हरित ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का सशक्त प्रतीक है हाइड्रोजन आधारित ट्रेन: कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा

» हरियाणा हिसार, यूटर्न/ 15 जुलाई ।

हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि 17 जुलाई का जींद कार्यक्रम केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि विकसित हरियाणा की नई दिशा और नए विश्वास का उद्घोष होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के करकमलों से देश की पहली हाइड्रोजन आधारित ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के साथ अन्य विकास परियोजनाओं का शुभारंभ प्रदेश के विकास को नई गति प्रदान करेगा। हिसार से भी हजारों की संख्या में लोग इस कार्यक्रम में प्रतिभागिता करेंगे। इसके अतिरिक्त हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित आईजी

ऑडिटोरियम में बड़ी स्क्रीन पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। इस कार्यक्रम में भी बड़ी संख्या में लोग हिस्सा लेंगे। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि जब नेतृत्व दूरदर्शी हो, तो विकास केवल योजनाओं में नहीं, जमीन पर दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा लगातार आधुनिक आधारभूत ढांचे, बेहतर संपर्क व्यवस्था, औद्योगिक विस्तार और जनकल्याण के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर रहा है। जींद से शुरू होने वाली परियोजनाएं इसी परिवर्तनकारी यात्रा को और गति देंगी। उन्होंने कहा कि देश की पहली हाइड्रोजन आधारित ट्रेन केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि विकसित भारत की नई सोच, हरित ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प का सशक्त प्रतीक है। यह पहल आने वाले समय में भारत को स्वच्छ और आधुनिक परिवहन व्यवस्था के क्षेत्र में नई पहचान दिलाएगी।

गोविंद नगर में अपराधियों के खिलाफ सफल पीड़ितों की सहायता में अग्रणी इंस्पेक्टर अशोक दुबे : कई गिरफ्तार

» सुनील बाजपेई

कानपुर, यूटर्न/ 15 जुलाई। यहां गोविंद नगर पुलिस की सक्रियता पीड़ितों सहायता और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में अग्रणी चल रही है। यही नहीं पुलिस की परिश्रम पूर्ण सक्रियता के फलस्वरूप छोटी बड़ी ऐसी कोई घटना नहीं है ,जिसका सटीक खुलासा करते हुए सभी अपराधियों को जेल का रास्ता ना दिखाया गया हो। सबसे खास बात यह भी कि तत्काल प्रभावी कार्रवाई के फल स्वरूप गोविंद नगर पुलिस अब ऐसी नौबत ही नहीं आने देती कि कोई कानून और शांति व्यवस्था के खिलाफ नेतागिरी का साहस कर सके। मतलब आजकल गोविंद नगर से नेतागिरी लगभग खत्म हो चुकी है। जबकि इसके पहले यहां विभिन्न मामलों को लेकर पुलिस तथा शांति और कानून व्यवस्था के खिलाफ अपराधियों के पक्ष में नेतागिरी करने वालों की भीड़ लगी रहती थी। अवगत कराते चलें कि गोविंद नगर की कमान आजकल अपनी नौकरी के अबतक के जुझारू कार्यकाल में अनेक शातिरों सबक सिखाने में भी सफल हो चुके तेजतर्रार, व्यवहार कुशल और बचन के पक्के माने जाने वाले इंस्पेक्टर अशोक दुबे के हाथ में है।

जानकारी के मुताबिक भगवान और भाग्य यानी कर्म भरोसे रहने वाले लोकहित में अपनी धुन के पक्के इंस्पेक्टर अशोक दुबे सराहनीय प्रगाढ़ सेवा भाव के चलते उनके पास आने वाला कोई भी फरियादी कभी निराश होकर नहीं लौटता। यह कारण है कि किसी को भी थाने में नेतागिरी करने का मौका नहीं मिलता ,जबकि पहले ऐसे ही मौके थाने में बवाल का कारण भी बनते रहे हैं।

अखिल भारतीय खेल एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के पदाधिकारियों की संयुक्त बैठक सम्पन्न

पानीपत, यूटर्न/ 15 जुलाई। भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र की मोदी सरकार की किसान मजदूर में जन विरोधी नीतियों के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की तैयारी के संदर्भ में क्रांतिकारी शहीद भगत सिंह के साथी कामरेड शिव वर्मा स्मारक के भवन, गीता कॉलोनी, जीटी रोड पानीपत में अखिल भारतीय किसान सभा, मजदूर संगठन सीटू , अखिल भारतीय खेल एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के पदाधिकारी की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता की राज्यपाल गाहल्याण ने की। संचालन सुनील दत्त ने किया। *बैठक में अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान डॉक्टर सुरेंद्र मलिक, सचिव राजपाल, अखिल भारतीय खेत एंव ग्रामीण मजदूर यूनियन राज्य महासचिव राजेंद्र छोकर , सीटू मजदूर संगठन व संयुक्त किसान मोर्चा सह संयोजक सुनील दत्त, जिला उपप्रधान अंग्रेज सिंह, सीटू जिला सह संयोजक जय भगवान, नवीन सपरा आदि उपस्थित रहे। किसान-मजदूरों की एकता मजबूत करने के लिए जिला व गांव लेवल तक तालमेल कमेटियों का गठन करने का निर्णय लिया गया। इन कमेटियों के माध्यम से जनता के बीच जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। जनसंपर्क अभियान के अंदर -अमेरिका के साथ की जा रही कृषि डील रद्द करने--किसानों की फसल खरीद के लिए गारंटी कानून एमएसपी तुरंत लागू करो--मजदूरों के खिलाफ बनाए गए चार लेबर कोड रद्द करो--रोजगार गारंटी कानून मनरेगा को बहाल करो --बिजली विभाग के निजीकरण पर रोक लगाओ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को 447 करोड़ रुपए की लागत से बने रेलवे एलिवेटेड ट्रैक नागरिकों को करेंगे समर्पित:विश्राम कुमार मीणा

» परमिंदर सिंह

कुरूक्षेत्र, यूटर्न/ 15 जुलाई । उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी वर्चुअल माध्यम से 17 जुलाई को जींद से 447 करोड़ रुपए की लागत से बने रेलवे एलिवेटेड ट्रैक को कुरुक्षेत्र के नागरिकों को समर्पित करेंगे।इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गांव उमरी में सिख संग्रहालय परियोजना का शिलान्यास भी करेंगे। अहम पहलू यह है कि एलिवेटेड रेलवे ट्रैक शुरू होने के बाद शहर के बीच पड़ने वाले 5 रेलवे फाटक झांसा रोड, कच्चा घेर, शास्त्री मार्केट, सिविल अस्पताल के सामने वाला फाटक और थर्ड गेट फाटक पर लगने वाले ट्रैफिक जाम से निजात मिलेगी।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा बुधवार को थानेसर रेलवे स्टेशन पर बने रेलवे एलिवेटेड ट्रैक व गांव उमरी में सिख संग्रहालय परियोजना का निरीक्षण करने उपरांत बोल रहे थे। इससे पहले उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने रेलवे एलिवेटेड ट्रैक और गांव उमरी में सिख संग्रहालय परियोजना पर की जा रही तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इन परियोजनाओं का 17 जुलाई को जींद से ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में स्थानीय आयोजन होगा। इस कार्यक्रम में हरियाणा कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे और सांसद नवीन जिंदल व हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि रेलवे के उच्च अधिकारियों की मौजूदगी में रेलवे एलिवेटेड ट्रैक का ट्रायल पूरी तरह सफल रहा, पिहोवा रोड से नए मुख्य स्टेशन तक इंजन चलाकर ट्रैक की मजबूती और सुरक्षा को भी जांचा गया है। इस एलिवेटेड ट्रैक के शुरू होने से कुरुक्षेत्र वासियों को सालों पुरानी जाम की समस्या से हमेशा के लिए निजात मिल जाएगी। कुरुक्षेत्र-जींद लाइन के शहर के बीच से गुजरने के कारण थानेसर और अन्य मुख्य चौकों के फाटक दिन में कई बार बंद होते थे, जिससे शहर थम जाता था। ट्रेन जमीन से ऊपर बने एलिवेटेड ट्रैक से गुजरेंगी, जिससे नीचे का ट्रैफिक बिना रुके चलता रहेगा। साथ ही ट्रेनों की रफ्तार बढ से यात्रियों के समय की भी बचत होगी। झांसा, ठोल, धुराला को जाने के लिए लोगों को पिहोवा रोड से होकर जाना पड़ता था। इसी प्रकार शहर के मुख्य बाजार में जाने के लिए भी लोगों को फाटक लगने से काफी देर तक इंतजार करना पड़ता था।

उन्होंने 17 जुलाई को जींद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम को लेकर संबंधित अधिकारियों को तैयारियां करने के निर्देश दिए। इस कार्यक्रम को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशानुसार कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में किया जाएगा। इस कार्यक्रम के लिए सभी अधिकारी तैयारियां समय रहते पूरी करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ऑनलाइन प्रणाली के साथ कुरुक्षेत्र में जुड़ेंगे। इस कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से तैयारियां की जा रही है और विभागीय अधिकारियों की ड्यूटियां लगाई गई है।

बीएलओ शेष बचे 115502 मतदाताओं को फोक्स रखकर पहुंचेंगे घर-घरः विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 15 जुलाई। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग की तरफ से एन्यूमरेशन फार्म जमा करवाने की तारीख को 24 जुलाई तक बढ़ा दिया है। इस दौरान शेष बचे 115502 मतदाताओं का एन्यूमरेशन फार्म डिजिटाइज करने के लिए घर-घर जाएंगे। इसके अलावा नागरिक भी बीएलओ से संपर्क करके अपना एन्यूमरेशन फार्म जमा करवा सकते हैं। उपायुक्त ने बीएलओ, बीएलए और एसआईआर से कार्य से जुड़े तमाम अधिकारियों व कर्मचारियों को सराहनीय कार्य करने पर बधाई दी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब एसआईआर का कार्य 24 जुलाई तक चलेगा और 31 जुलाई को ड्राफ्ट सूची प्रकाशित की जाएगी। इस सूची में जो भी कमियां, खामियां होगी, उनको दुरुस्त करवाने के लिए 31 जुलाई से 30 अगस्त तक एआरओ को जमा करवा सकते हैं। सभी व्यवस्थाओं को पूरा करने के बाद 3 अक्टूबर को फाइनल सूची प्रकाशित की जाएगी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला में कुल 783831 मतदाता हैं, इनको चार विधानसभाओं और 810 बूथों में बांटा हुआ है। सभी बूथों के प्रत्येक मतदाता को एन्यूमरेशन फार्म बांटो जा चुका है।

बीएलओ शेष बचे 115502 मतदाताओं को फोक्स रखकर पहुंचेंगे घर-घर : विश्राम कुमार मीणा

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 15 जुलाई । उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर चुनाव आयोग की तरफ से एन्यूमरेशन फार्म जमा करवाने की तारीख को 24 जुलाई तक बढ़ा दिया है। इस दौरान शेष बचे 115502 मतदाताओं का एन्यूमरेशन फार्म डिजिटाइज करने के लिए घर-घर जाएंगे। इसके अलावा नागरिक भी बीएलओ से संपर्क करके अपना एन्यूमरेशन फार्म जमा करवा सकते हैं। उपायुक्त ने बीएलओ, बीएलए और एसआईआर से कार्य से जुड़े तमाम अधिकारियों व कर्मचारियों को सराहनीय कार्य करने पर बधाई दी।

उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा बुधवार को लघु सचिवालय के सभागार में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अब एसआईआर का कार्य 24 जुलाई तक चलेगा और 31 जुलाई को ड्राफ्ट सूची प्रकाशित की जाएगी। इस सूची में जो भी कमियां, खामियां होगी, उनको दुरुस्त करवाने के लिए 31 जुलाई से 30 अगस्त तक एआरओ को जमा करवा सकते हैं। सभी व्यवस्थाओं को पूरा करने के बाद 3 अक्टूबर को फाइनल सूची प्रकाशित की जाएगी। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि जिला में कुल 783831 मतदाता हैं, इनको चार विधानसभाओं और 810 बूथों में बांटा हुआ है। सभी बूथों के प्रत्येक मतदाता को एन्यूमरेशन फार्म बांटो जा चुका है। इनमें से 668239 मतदाताओं से एन्यूमरेशन फॉर्म बीएलओ के पास पहुंच चुका है, जिनका डाटा डिजिटाइज किया जा चुका है। अब जिले में 115502 मतदाताओं के एन्यूमरेशन फार्म आने बाकी है, जिनको एएसडीडी श्रेणी में डाला गया है। उन्होंने कहा कि लाडवा विधानसभा में 19327 यानी 9.77 प्रतिशत, शाहाबाद विधानसभा में 18986 यानी 10.98 प्रतिशत, थानेसर विधानसभा में 52547 यानी 23.47 प्रतिशत और पिहोवा विधानसभा में 24642 यानी 13.03 प्रतिशत एन्यूमरेशन फार्म आने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि बीएलओ अपने बूथों पर और डोर टू डोर कार्य को 24 जुलाई तक निरंतर जारी रखेंगे। इस कार्य को पूरा करवाने में राजनैतिक पार्टियों के प्रतिनिधि और बीएलए मदद करें।

जग ज्योति दरबार में प्रारम्भ हुई आषाढ़ गुप्त नवरात्र पूजा

गुप्त नवरात्र को मोक्ष की कामना के लिए महत्वपूर्ण माना गया है : महंत राजेंद्र पुरी

» अश्विनी वालिया

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 15 जुलाई । जग ज्योति दरबार में महंत राजेंद्र पुरी व अन्य संतों के सानिध्य में आषाढ़ महीने के प्रथम गुप्त नवरात्र को कलश स्थापित करने के साथ पूजन शुरू हुआ। इसी के साथ 9 दिन के लिए हवन भी शुरू हुआ। इस अवसर पर जग ज्योति दरबार में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव के साथ पूजन में भाग लिया। महंत राजेंद्र पुरी ने सनातन परंपरा के अनुसार गुप्त नवरात्र पूजन का महत्व बताया। उन्होंने बताया कि वैसे तो गुप्त नवरात्र में महाविद्याओं को सिद्ध करने के लिए विशेष पूजा अर्चना करते हैं। यह पूजा मोक्ष की कामना के लिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। मां दुर्गा के सप्तशती का पाठ करने से भक्तों को शुभ फलों की प्राप्ति होती है। महंत राजेंद्र पुरी ने बताया कि प्रथम दिन मां काली, दूसरे दिन मां तारा, तीसरे दिन मां त्रिपुरा सुंदरी, चौथे दिन मां भुवनेश्वरी, पांचवें दिन मां छिन्नमस्ता, छठे दिन मां भैरवी, सातवें दिन मां धूमावती, आठवें दिन मां बगलामुखी, नौवें दिन मां मातंगी देवी और दसवें दिन मां कमला की साधना करने से माता रानी की विशेष कृपा होती है। गुप्त नवरात्र नौ दिन तक मनाया जाने वाला उत्सव है। इस दौरान मां शक्ति के विभिन्न रूपों को पूजा जाता है। इस दौरान भक्त देवी का आशीर्वाद और आध्यात्मिक विकास पाने के लिए उपवास रखते हैं। मंत्र पढ़ते हैं और पूजा करते हैं। प्रथम दिन पूजन में रामेश्वर, जय गोपाल सिंह, राजविंदर सिंह, मलकियत राणा, जितेंद्र राणा, सतीश कुमार, शोभा रानी, कविता, संतोष बाला, अजय राठी, विजय राठी, अक्षय राठी, मनप्रीत सिंह व कन्हैया लाल इत्यादि मौजूद रहे।

तलाक से शादी खत्म होती है, पिता होने का रिश्ता नहीं

संदीप शर्मा

पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का हालिया फैसला यह बताता है कि तलाकशुदा पत्नी से हुई संतान भी मृतक कर्मचारी की विधवा के साथ अनुकंपा के आधार पर मिलने वाली आर्थिक सहायता में बराबर हिस्से की हकदार है। यह फैसला सिर्फ.सर्विस नियमों की व्याख्या नहीं है, बल्कि एक सीधी-सादी लेकिन अक्सर भुला दी जाने वाली सच्चाई को फिर से साबित करता है: तलाक से शादी खत्म होती है, माता-पिता होने का रिश्ता नहीं। पीढ़ियों से, कानूनी व्यवस्थाएं बच्चों के अधिकारों को बड़ों के झगड़ों से अलग करने के लिए संघर्ष करती रही हैं। अक्सर, वैवाहिक झगड़ों में बच्चे अनजाने में ही नुकसान का शिकार हो जाते हैं; उन्हें ऐसे फैसलों का नतीजा भुगतना पड़ता है जो न तो उन्होंने लिए थे और न ही जिन पर उनका कोई नियंत्रण था। कोर्ट का फैसला इस अन्याय को साफ तौर पर खारिज करता है। हरियाणा के नियम खुद इस सिद्धांत को मानते हैं। इन नियमों के अनुसार, अगर कोई सरकारी कर्मचारी अपने पीछे विधवा और तलाकशुदा पत्नी से हुई पात्र संतान को छोड़ जाता है, तो अनुकंपा के आधार पर मिलने वाली आर्थिक सहायता को बराबर-बराबर बांटा जाना चाहिए। हाई कोर्ट ने बस यह सुनिश्चित किया कि नियम को उसी तरह लागू किया जाए जैसा उसका मकसद था। यह फैसला इसलिए अहम है क्योंकि यह बातचीत का रुख वैवाहिक स्थिति से हटाकर माता-पिता की जिम्मेदारी की ओर ले जाता है। तलाक का आदेश साइन होने के दिन ही पिता की कानूनी और नैतिक जिम्मेदारियां खत्म नहीं हो जातीं। शादी टूटने के बावजूद बच्चे के साथ उसका रिश्ता बना रहता है। ऐसे बच्चे को लाभ से वंचित करना उन्हें उन हालात के लिए सजा देने जैसा होगा जिन पर उनका कोई बस नहीं है। यह फैसला एक व्यापक संवैधानिक सोच को भी दर्शाता है। आधुनिक पारिवारिक कानून तेजी से यह मान रहा है कि माता-पिता के झगड़ों से कहीं ज्यादा जरूरी बच्चों का कल्याण है। चाहे कस्टडी, गुजारा-भत्ता या उत्तराधिकार का मामला हो, अदालतें लगातार परिवार के पुराने पदानुक्रम (ि१ि८) को मजबूत करने के बजाय बच्चों के हितों की रक्षा करने की दिशा में आगे बढ़ी हैं। आलोचक यह तर्क दे सकते हैं कि विधवा और पहली शादी से हुई संतान के बीच लाभ बांटने से जीवित जीवनसाथी की आर्थिक सुरक्षा मुश्किल हो सकती है। लेकिन अनुकंपा के आधार पर मिलने वाली सहायता सिर्फ शादी के लिए इनाम नहीं है; यह मृतक कर्मचारी पर निर्भर लोगों की मदद के लिए होती है। बच्चा तब भी निर्भर ही रहता है, चाहे उसके माता-पिता शादीशुदा हों या नहीं। शायद इस फैसले का सबसे अहम पहलू इसका प्रतीकात्मक महत्व है। यह मानता है कि आज के परिवार पारंपरिक कानूनी श्रेणियों की तुलना में कहीं अधिक जटिल हैं। तलाक, पुनर्विवाह और मिश्रित परिवार सामाजिक सच्चाई हैं। कानून इन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकता, और न ही माता-पिता के वैवाहिक इतिहास के आधार पर बच्चों को 'फर्स्ट-क्लास' और 'सेकंड-क्लास' का दर्जा दे सकता है। इसका संदेश मानवीय और कानूनी रूप से सही है: शादी भले ही कोर्ट में खत्म हो जाए, लेकिन पिता होने का रिश्ता खत्म नहीं होता। माता-पिता की देखभाल—और जहाँ कानून में प्रावधान हो, वहाँ आर्थिक सहायता—पाने का बच्चे का अधिकार तलाक के आदेश से खत्म नहीं किया जा सकता। यह न केवल अच्छा कानून है, बल्कि सही न्याय भी है।

सोनम वांगचुक का लंबा अनशन अब जीवन पर भारी

कांतिलाल मांडोत

विपक्ष की राजनीति से ऊपर उठकर स्वास्थ्य बचाने का समय अनशन नहीं समाधान चाहिए वांगचुक को जीवन बचाकर लोकतांत्रिक संघर्ष का नया रास्ता चुनना चाहिए दिल्ली के जंतर मंतर पर शिक्षा व्यवस्था में सुधार और कथित परीक्षा अनियमितताओं के विरोध में सोनम वांगचुक का आमरण अनशन लगातार जारी है। अनशन के सत्रहवें दिन तक पहुंचते पहुंचते उनका स्वास्थ्य चिंताजनक स्थिति में बताया जा रहा है। खबरों के अनुसार उनका वजन लगभग साढ़े आठ किलोग्राम कम हो चुका है और लगातार कमजोरी बढ़ रही है। चिकित्सकीय दृष्टि से यह स्थिति किसी भी व्यक्ति के लिए गंभीर मानी जाती है। लंबे समय तक भोजन से दूर रहने का असर केवल शरीर के वजन पर ही नहीं पड़ता बल्कि हृदय गुर्दे मांसपेशियों और मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी पड़ सकता है। ऐसे में सबसे बड़ी चिंता किसी राजनीतिक मांग से अधिक एक इंसान के जीवन की होनी चाहिए।

सोनम वांगचुक देश के जाने माने शिक्षाविद और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। शिक्षा पर्यावरण और लद्दाख जैसे संवेदनशील मुद्दों पर उन्होंने वर्षों तक काम किया है। ऐसे व्यक्ति की आवाज लोकतंत्र में महत्वपूर्ण मानी जाती है। किसी भी नागरिक को अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखने और सरकार से जवाब मांगने का अधिकार है। लेकिन जब विरोध का तरीका स्वयं के जीवन के लिए खतरा बनने लगे तब उस पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक हो जाता है।

अनशन भारतीय लोकतांत्रिक परंपरा का एक पुराना और प्रभावी माध्यम रहा है। महात्मा गांधी से लेकर अनेक सामाजिक नेताओं ने इसका उपयोग नैतिक दबाव बनाने के लिए किया। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि जब किसी अनशनकारी का स्वास्थ्य लगातार गिरने लगता है तब आंदोलन की दिशा बदलना भी उतना ही आवश्यक हो जाता है। किसी भी आंदोलन का उद्देश्य जीवन की रक्षा करते हुए समाज और व्यवस्था में परिवर्तन लाना होता है न कि स्वयं को ऐसी स्थिति में पहुंचा देना जहां जीवन ही संकट में पड़ जाए।

वर्तमान समय में सोनम वांगचुक के समर्थन में कई विपक्षी नेताओं और फिल्मी हस्तियों ने बयान दिए हैं। उनसे अनशन समाप्त करने की अपील भी की गई है। दूसरी ओर सरकार पर संवेदनहीन होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह स्वाभाविक है कि लोकतंत्र में सरकार

और विपक्ष के बीच आरोप प्रत्यारोप चलते रहते हैं। लेकिन इस पूरे घटनाक्रम में यह भी दिखाई देता है कि राजनीतिक दल अपने अपने दृष्टिकोण से इस मुद्दे को प्रस्तुत कर रहे हैं। सत्ता पक्ष अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है जबकि विपक्ष सरकार को घेरने का अवसर तलाश रहा है। यही वह बिंदु है जहां सबसे अधिक सावधानी की आवश्यकता है। किसी भी राजनीतिक दल का प्राथमिक उद्देश्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करना होता है। इसलिए यह मान लेना उचित नहीं होगा कि हर राजनीतिक बयान केवल अनशनकारी के स्वास्थ्य की चिंता से प्रेरित है। विपक्ष सरकार पर हमला कर रहा है और सरकार अपने स्तर पर जवाब दे रही है। लेकिन इस राजनीतिक संघर्ष के बीच सबसे बड़ा नुकसान यदि किसी का हो सकता है तो वह स्वयं सोनम वांगचुक का स्वास्थ्य है। वास्तविकता यह है कि यदि उनकी तबीयत और अधिक बिगड़ती है तो सबसे बड़ी कीमत उन्हें और उनके परिवार को चुकानी पड़ेगी। राजनीतिक दल अपने अपने एजेंडे के साथ आगे बढ़ जाएंगे लेकिन एक सामाजिक कार्यकर्ता का स्वास्थ्य और जीवन वापस नहीं लौटाया जा सकता। इसलिए यह समय भावनात्मक निर्णयों से अधिक व्यावहारिक सोच का है।

लंबे समय तक भूखे रहने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता तेजी से कम होती है। मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। रक्तचाप और शुगर का संतुलन बिगड़ सकता है। हृदय की धड़कन पर भी असर पड़ सकता है। यदि समय रहते चिकित्सा और पोषण नहीं मिले तो स्थिति गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए डॉक्टर भी आमतौर पर लंबे आमरण अनशन को स्वास्थ्य के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण मानते हैं।

सोनम वांगचुक यदि अपनी मांगों को लेकर संघर्ष जारी रखना चाहते हैं तो उसके अनेक लोकतांत्रिक विकल्प उपलब्ध हैं। जनसभाएं की जा सकती हैं। देशव्यापी जनजागरण अभियान चलाया जा सकता है। अदालत का दरवाजा खटखटाया जा सकता है। विशेषज्ञों के साथ संवाद स्थापित किया जा सकता है। संसद सदस्यों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन जुटाया जा सकता है। मीडिया और सामाजिक मंचों के माध्यम से भी व्यापक जनमत तैयार किया जा सकता है। इन सभी तरीकों से आंदोलन जीवित रहेगा और नेतृत्व भी सुरक्षित रहेगा।

इस पूरे मामले में यदि कॉकरोच जनता पार्टी और आंदोलन से जुड़े अन्य लोग वास्तव में वांगचुक के शुभचिंतक हैं तो उन्हें भी हस्तक्षेप करना चाहिए। किसी भी आंदोलन का नेतृत्व करने वाले व्यक्ति का जीवन सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि आंदोलन का चेहरा ही गंभीर बीमारी का शिकार हो जाए तो आंदोलन की दिशा भी प्रभावित होती है। इसलिए पार्टी और सहयोगियों को उन्हें सम्मानपूर्वक अनशन समाप्त करने के लिए तैयार करना चाहिए और संघर्ष की नई रणनीति बनानी चाहिए। सरकार की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में संवाद हमेशा टकराव से बेहतर विकल्प होता है। यदि किसी मुद्दे पर व्यापक असंतोष दिखाई दे रहा है तो सरकार को बातचीत के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करना चाहिए।

पश्चिम एशिया में बदलता शक्ति-संतुलन और नई कूटनीतिक चुनौतियाँ

राज कुमार सिन्हा

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव एक बार फिर पश्चिम एशिया को वैश्विक राजनीति के केंद्र में ले आया है। हाल के महीनों में दोनों देशों के बीच सैन्य गतिविधियों, जवाबी कार्रवाइयों और कूटनीतिक टकराव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह विवाद अब केवल दो देशों के बीच का संघर्ष नहीं रह गया है। इसके साथ ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला और महाशक्तियों की रणनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे कई आयाम जुड़ चुके हैं। यही कारण है कि पश्चिम एशिया में होने वाली हर घटना का प्रभाव अब पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और कूटनीति पर पड़ता है। अमेरिका की लंबे समय से चली आ रही अधिकतम दबाव की नीति और ईरान की प्रतिरोध रणनीति के बीच टकराव लगातार गहराता गया है। हालिया घटनाक्रम में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के विरुद्ध सैन्य और रणनीतिक कदम तेज किए हैं। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार संघर्षविराम की कोशिशों के बावजूद क्षेत्र में तनाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। ईरान ने स्पष्ट संकेत दिए हैं कि वह बाहरी दबाव के आगे झुकने को तैयार नहीं है, जबकि अमेरिका अपने क्षेत्रीय हितों और सहयोगी देशों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। इससे पश्चिम एशिया में अस्थिरता की आशंका लगातार बनी हुई है।

इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशीलपहलूहोर्मुजजलडमरूमध्य है। दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी समुद्री मार्ग से होकर गुजरता है। यदि इस मार्ग पर सैन्य तनाव बढ़ता है या जहाजों की आवाजाही बाधित होती है, तो उसका सीधा प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ सकता है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसियाँ भी समय-समय पर चेतावनी देती रही हैं कि इस क्षेत्र में किसी बड़े सैन्य टकराव से तेल की आपूर्ति और कीमतों पर गंभीर असर पड़ सकता है। इसलिए होर्मुज केवल क्षेत्रीय सामरिक महत्व का प्रश्न नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक स्थिरता का भी विषय है। इसी बीच पश्चिम एशिया में महाशक्तियों की सक्रियता भी बढ़ी है। रूस और चीन ने विभिन्न स्तरों पर ईरान के साथ अपने संबंध मजबूत किए हैं। चीन ऊर्जा सहयोग, निवेश और आर्थिक संपर्कों के माध्यम से अपनी उपस्थिति बढ़ा रहा है, जबकि रूस रक्षा और सामरिक सहयोग को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। इन घटनाक्रमों ने यह संकेत दिया है कि पश्चिम एशिया अब केवल अमेरिकी प्रभाव वाले क्षेत्र के रूप में नहीं देखा जा सकता। यहाँ शक्ति-संतुलन धीरे-धीरे अधिक बहुध्रुवीय स्वरूप ग्रहण कर रहा है।

इस बदलते परिदृश्य का प्रभाव क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर भी दिखाई दे रहा है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अन्य खाड़ी देश अब केवल एक महाशक्ति पर निर्भर रहने के बजाय संतुलित कूटनीतिक संबंध विकसित करने की नीति अपना रहे हैं। वे अमेरिका के साथ अपने सुरक्षा संबंध बनाए रखते हुए चीन, रूस और ईरान के साथ भी संवाद बढ़ा रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि पश्चिम एशिया की राजनीति अब पहले की तुलना में कहीं अधिक जटिल और बहुस्तरीय हो चुकी है। पश्चिम एशिया की बदलती परिस्थितियों ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि क्षेत्रीय राजनीति अब केवल सैन्य शक्ति से संचालित नहीं होगी। ऊर्जा संसाधनों, समुद्री व्यापार मार्गों, आर्थिक प्रतिबंधों, प्रौद्योगिकी, साइबर सुरक्षा और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नियंत्रण जैसे नए कारक कूटनीतिक निर्णयों के केंद्र में आ चुके हैं। यही कारण है कि क्षेत्र के अधिकांश देश अपनी विदेश नीति में अधिक व्यावहारिक और संतुलित दृष्टिकोण अपना रहे हैं। चीन की भूमिका इस संदर्भ में विशेष उल्लेखनीय है। बीते कुछ वर्षों में उसने ऊर्जा सुरक्षा, निवेश और बेल्ट एंड रोड पहल के माध्यम से पश्चिम एशिया में अपनी आर्थिक उपस्थिति लगातार बढ़ाई है। ईरान और सऊदी अरब के बीच संबंधों की बहाली में उसकी मध्यस्थता ने यह संकेत दिया कि बीजिंग अब केवल आर्थिक साझेदार नहीं, बल्कि कूटनीतिक भूमिका निभाने की भी क्षमता रखता है।

दूसरी ओर, रूस रक्षा सहयोग, ऊर्जा समन्वय और रणनीतिक साझेदारी के जरिए क्षेत्र में अपना प्रभाव बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। ब्रिक्स के विस्तार और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार जैसे प्रयास भी पश्चिमी प्रतिबंधों के विकल्प तलाशने की व्यापक रणनीति का हिस्सा माने जा रहे हैं। इन घटनाक्रमों का अर्थ यह नहीं है कि अमेरिका का प्रभाव समाप्त हो गया है। अमेरिका अब भी पश्चिम एशिया की सबसे महत्वपूर्ण सैन्य शक्ति है और उसके सुरक्षा गठबंधन क्षेत्रीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। लेकिन इतना स्पष्ट है कि अब उसे ऐसे क्षेत्र का सामना करना पड़ रहा है, जहाँ अन्य शक्तियाँ भी प्रभावी भूमिका निभा रही हैं। परिणामस्वरूप, एकध्रुवीय व्यवस्था की जगह बहुध्रुवीय शक्ति-संतुलन का स्वरूप उभरता दिखाई दे रहा है।

यूरोपीय देशों के सामने भी नई कूटनीतिक चुनौती है। एक ओर वे अमेरिका के पारंपरिक सुरक्षा सहयोगी हैं, वहीं दूसरी ओर उनकी ऊर्जा आवश्यकताएँ और व्यापारिक हित उन्हें ईरान तथा खाड़ी देशों के साथ संवाद बनाए रखने के लिए प्रेरित करते हैं। यही कारण है कि यूरोपीय कूटनीति में भी टकराव के बजाय संवाद और तनाव कम करने के प्रयासों पर अधिक बल दिया जा रहा है। इन परिस्थितियों में यह समझना आवश्यक है कि पश्चिम एशिया का संकट केवल क्षेत्रीय राजनीति का प्रश्न नहीं है।

संक्षिप्त खबरें

एमजी ने पेश की दो नई ईवी कॉन्सेप्ट कारें

नई दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई । वाहन निर्माता कंपनी एमजी ने गुडवुड फेस्टिवल ऑफ स्पीड 2026 में अपनी भविष्य की इलेक्ट्रिक वाहन रणनीति का प्रदर्शन करते हुए दो गाड़ियां, एमजी गो! और साइबर कॉन्सेप्ट प्रस्तुत की है। दोनों गाडियों में से एमजी गो! भविष्य की बी-सेगमेंट हैचबैक ईवी की झलक दिखाती है, जिसका उत्पादन मॉडल वर्ष 2027 में बाजार में उतारा जाएगा। एमजी गो! को लंदन स्थित एमजी डिजाइन केंद्र में कार्ल गोथम के नेतृत्व में विकसित किया गया है। इसका डिजाइन बीसवीं शताब्दी के मध्य की एमजी गाड़ियों, विशेषकर एमजीबी जीटी, मेट्रो टर्बो और जेडआर से प्रेरित है, जो इसे एक आकर्षक और आधुनिक रूप देता है। कार्ल गोथम के अनुसार, इस गाड़ी को तैयार करने का उद्देश्य एक ऐसी कॉम्पैक्ट और आधुनिक ईवी कार बनाना था, जो देखने में आकर्षक होने के साथ-साथ लोगों को सहज रूप से पसंद आए।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

वाशिंगटन, यूटर्न/ 15 जुलाई । अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वार्श ने अमेरिकी कांग्रेस में अपनी पहली पेशी के दौरान कहा कि केंद्रीय बैंक महंगाई को काबू में लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फेडरल रिजर्व लगातार मूल्य स्थिरता बनाए रखने की दिशा में काम कर रहा है और बढ़ती महंगाई को किसी भी कीमत पर लंबे समय तक बने रहने नहीं देगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की फाइनेंशियल सर्विसेज कमेटी के सामने केविन वार्श ने बताया कि जून में हुई फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक में संघीय ब्याज दर को 3.5 प्रतिशत से 3.75 प्रतिशत के दायरे में ही रखने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा, 'हमारी समिति के सदस्य लंबे समय तक ऊंची महंगाई को बिल्कुल स्वीकार नहीं करेंगे। हम 2 प्रतिशत महंगाई के लक्ष्य को हासिल करने और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। यह जिम्मेदारी किसी और पर डालने का समय नहीं है।' केविन वार्श ने कहा कि हाल के वैश्विक घटनाक्रमों के बावजूद अमेरिकी अर्थव्यवस्था मजबूत गति से आगे बढ़ रही है। घरेलू उपभोग में कुछ नरमी आई है, लेकिन मैन्युफैक्चरिंग लगातार बढ़ रहा है और श्रम बाजार भी मजबूत बना हुआ है। हालांकि, हाउसिंग क्षेत्र अभी भी अपेक्षित गति नहीं पकड़ पाया है। उन्होंने माना कि विदेशों में चल रहे संघर्ष और अन्य वैश्विक घटनाएं फेडरल रिजर्व के नियंत्रण से बाहर हैं।

कैबिनेट ने उर्वरकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति 2026 को मंजूरी दी

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) की बैठक में उर्वरक विभाग के आत्मनिर्भर भारत के लिए राष्ट्रीय यूरिया निवेश नीति-2026 (एनआईपीयू-2026) के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई।

इस नीति का उद्देश्य देश में गैस आधारित यूरिया विनिर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए नए निवेश को प्रोत्साहित करना है। इससे घरेलू यूरिया उत्पादन बढ़ेगा और देश को यूरिया के मामले में आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी। सरकार के अनुसार, राष्ट्रीय निवेश नीति-2012 (एनआईपी-2012) की तुलना में नई नीति में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इनमें अधिक पारदर्शिता के लिए स्थिर और परिवर्ती लागतों को अलग-अलग करना, आरओई (रिटर्न ऑन इक्विटी) की व्यवहार्य सीमा तय करना, जिसमें न्यूनतम 12 प्रतिशत और अधिकतम 16 प्रतिशत का प्रावधान है, तथा विदेशी मुद्रा विनिमय जोखिम को कम करने के लिए चार वर्ष बाद प्रचलित विनिमय दरों के आधार पर स्थिर लागत को रुपए में परिवर्तित करने की व्यवस्था शामिल है। सरकारी बयान के मुताबिक, इन प्रावधानों से एनआईपीयू-2026 के तहत स्थापित होने वाले प्रत्येक नए प्लांट पर एनआईपी-2012 की तुलना में 250 करोड़ रुपए से अधिक की बचत होने का अनुमान है। नई यूरिया विनिर्माण इकाइयों की स्थापना एनआईपीयू-2026 के दायरे में की जाएगी। इससे पहले यूरिया क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए उर्वरक विभाग ने वर्ष 2012 में नई निवेश नीति (एनआईपी-2012) तैयार की थी। इसका उद्देश्य मौजूदा संयंत्रों के आधुनिकीकरण, विस्तार, बंद पड़ी (ब्राउनफील्ड) इकाइयों को दोबारा शुरू करना और नई परियोजनाओं की स्थापना को बढ़ावा देना था। एनआईपी-2012 के तहत कुल छह नई यूरिया इकाइयों की स्थापना की गई। इनमें से चार इकाइयां नामित सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) के संयुक्त उद्यम (जेवीसी) के माध्यम से और दो इकाइयां निजी कंपनियों द्वारा स्थापित की गईं। हालांकि, इस नीति के तहत नए निवेश की अवधि अक्टूबर 2019 में समाप्त हो गई थी।

होंडा कार्स इंडिया ने की गाडियों की कीमतें बढाने की घोषणा

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई

अगले महीने (1 अगस्त, 2026) से होंडा कार्स इंडिया ने अपनी गाड़ियों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। कीमतों में यह बदलाव सभी मॉडल और उनके विभिन्न वैरिएंट पर एक समान नहीं होगा, और इसकी विस्तृत जानकारी नई कीमतें लागू होने के समय के करीब उपलब्ध होगी। हालांकि कंपनी के अधिकारियों ने अभी नई कीमतों का खुलासा नहीं किया है, लेकिन उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि होंडा अमेज की कीमत में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी देखी जा सकती है। यह मूल्य वृद्धि बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग लागत, महंगाई और ऑपरेटिंग खर्चों के कारण हो रही है, जो वर्तमान में पूरे पैसेंजर व्हीकल इंडस्ट्री में एक व्यापक ट्रेंड बन गया है।

हाईस्पीड रेल परियोजना अभी जिंदा, डीपीआर से पहले नए अध्ययन जरूरी : सीएम सतीशन

» तिरुवनंतपुरम, यूटर्न/ 15 जुलाई ।

मेट्रो मैन ई. श्रीधरन के मार्गदर्शन में दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) द्वारा तैयार किए गए प्रस्तावित हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को रद्द नहीं किया गया है लेकिन केरल सरकार ने यह स्पष्ट कर दिया है कि परियोजना तभी आगे बढ़ेगी जब महत्वपूर्ण तकनीकी और आर्थिक अध्ययन पूरे हो जाएंगे। बुधवार को कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने ये बात कही। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन कहा कि सरकार द्वारा गठित एक विशेषज्ञ समिति ने डीएमआरसी की रिपोर्ट की जांच की और अपनी सिफारिशें प्रस्तुत कीं। समिति ने पाया कि यद्यपि डीएमआरसी की रिपोर्ट एक महत्वपूर्ण आधार प्रदान करती है, इसे एक व्यापक परियोजना रिपोर्ट नहीं माना जा सकता।

प्रस्ताव में अनिवार्य पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) शामिल नहीं है और न ही इसमें कॉरिडोर के लिए आवश्यक भूमि अधिग्रहण की सीमा निर्दिष्ट की गई है।

सीएम ने कहा कि सरकार पहले परियोजना की वित्तीय और परिचालन व्यवहार्यता का विस्तृत अध्ययन करेगी, जिसमें माल ढुलाई और रसद आवागमन की संभावना भी शामिल है। उन्होंने कहा कि केवल यात्री राजस्व से परियोजना को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाना पर्याप्त नहीं होगा, इसलिए राजस्व के अतिरिक्त स्रोत आवश्यक हैं। इन प्रारंभिक अध्ययनों के पूरा होने के बाद ही सरकार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करेगी, जो कार्यान्वयन संबंधी अंतिम निर्णय का आधार बनेगी। मुख्यमंत्री सतीशन ने इस बात पर जोर दिया कि सरकार इतनी बड़ी परियोजना को शुरू करने से पहले सतर्क और पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाएगी।

फॉक्सवैगन इंडिया को करना पडा 20 प्रतिशत की गिरावट सामना

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई ।

कार निर्माता कंपनी फॉक्सवैगन इंडिया को साल-दर-साल आधार पर 20प्रतिशत की गिरावट का सामना करना पड़ा है। फॉक्सवैगन इंडिया ने जून 2026 की अपनी मॉडल-वार बिक्री के आंकड़े जारी किए हैं। जारी आंकडों के अनुसार, जून 2026 में कुल 2,467 गाड़ियां बिकीं, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह आंकड़ा 3,089 यूनिट्स था। मासिक आधार पर भी, मई 2026 के 2,619 यूनिट्स की तुलना में 6प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। इन चुनौतीपूर्ण आंकड़ों के बीच, फॉक्सवैगन वर्टूस सेडान कंपनी की सबसे मजबूत प्रदर्शन करने वाली कार रही।

जून 2026 में वर्टूस की 1,195 यूनिट्स बिकीं, जो कंपनी की कुल बिक्री का लगभग आधा हिस्सा है। हालांकि, इसकी बिक्री में पिछले साल के 1,778 यूनिट्स के मुकाबले 33प्रतिशत की गिरावट देखी गई। वर्टूस के बाद, टाइगुन एसयूवी ने 1,182 यूनिट्स की बिक्री के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जिसमें साल-दर-साल आधार पर 1प्रतिशत की मामूली वृद्धि दर्ज हुई। अन्य मॉडलों में, टिगुआन ने 47 यूनिट्स की बिक्री के साथ साल-दर-साल आधार पर 840प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दिखाई, हालांकि यह वृद्धि एक छोटे आधार से हुई है। वहीं, टायरॉन की 43 यूनिट्स बिकीं। कंपनी के लिए चिंता का विषय गोल्फ मॉडल रहा, जिसकी जून 2026 में एक भी यूनिट नहीं बिकी, जबकि जून 2025 में इसकी 138 यूनिट्स बिकी थीं।

विराट वी1 और विराट वी1 5जी जल्द होंगे लॉन्च

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई ।

भारत में स्मार्टफोन निर्माता कंपनी लावा अपनी विराट सीरीज के दो नए स्मार्टफोन, विराट वी1 और विराट वी1 5जी, लॉन्च करने के लिए तैयार है। इन फोनों की बिक्री ई-कॉमर्स साइट फ्लिपकार्ट पर होगी, जहाँ लावा विराट डिवाइस के लिए एक माइक्रोसाइट भी लाइव कर दी गई है। कंपनी ने घोषणा की है कि ये दोनों मॉडल 21 जुलाई को दोपहर 12 बजे बाजार में उतारे जाएंगे। यह माइक्रोसाइट फोनों की असाधारण मजबूती की ओर इशारा करती है, जिसमें एक फोन को दीवार फाड़कर निकलते हुए दिखाया गया है, और दावा किया गया है कि इन्हें 400 से अधिक कड़े परीक्षणों से गुजारा गया है।

कंपनी का कहना है कि ये फोन धूल, मिट्टी और पानी जैसी चुनौतियों को झेलने में सक्षम होंगे, साथ ही ऊँचाई से गिरने पर भी इनमें टूट-फूट का खतरा कम होगा।

विराट वी1 मॉडल नीले और सफेद रंग विकल्पों में उपलब्ध होगा, जिसमें 13 मेगापिक्सल का एआई कैमरा और एलईडी फ्लैश वाला चौकोर आकार का कैमरा मॉड्यूल होगा।

इसमें वॉटर और डस्ट रेजिस्टेंस बिल्ड मिलने की उम्मीद है। वहीं, विराट वी1 5जी नीले और बेज जैसे रंगों में, पीछे की ओर पैटर्न वाले डिजाइन के साथ दिखेगा, जिसमें स्पीकर ग्रिल, टाइप-सी पोर्ट और हेडफोन जैक भी होंगे।

एआई के उद्योगों में प्रवेश के साथ मजबूत इकोसिस्टम की बढी जरूरत: सीईओ

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई

भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) का अगला चरण केवल लोकेशन या टैक्स प्रोत्साहनों पर आधारित नहीं होगा, बल्कि मजबूत इकोसिस्टम पर निर्भर करेगा। यह कहना है गिफ्ट सिटी के ग्रुप सीईओ और प्रबंध निदेशक, संजय कौल का। सीईओ कौल ने इस बात पर जोर दिया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल के साथ अब मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर कनेक्टिविटी और नवाचार को बढ़ावा देने वाला नियामकीय ढांचा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित दूसरे राष्ट्रीय जीसीसी बिजनेस समिट के दौरान द इवॉल्विंग जीसीसी इकोसिस्टमः की इनसाइट्स विषय पर आयोजित सत्र में संजय कौल ने अपने विचार साझा किए।

उन्होंने कहा कि एआई के लगभग हर उद्योग में प्रवेश करने के साथ एक मजबूत और समग्र इकोसिस्टम की जरूरत बढ़ गई है। उन्होंने स्पष्ट किया, एआई अब लगभग हर उद्योग का हिस्सा बन चुका है। ऐसे में मजबूत कनेक्टिविटी और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर वाला इकोसिस्टम जरूरी है। साथ ही ऐसा नियामकीय ढांचा भी होना चाहिए, जहां नवाचार को बढ़ावा मिले। गिफ्ट सिटी में ऐसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। संजय कौल ने आगे कहा कि यदि देश के अन्य हिस्सों में भी इसी तरह का इकोसिस्टम विकसित किया जाता है तो जीसीसी क्षेत्र को और तेजी से बढ़ने में मदद मिलेगी। कौल के अनुसार, भविष्य में वैश्विक कंपनियां केवल कर प्रोत्साहनों या लोकेशन को नहीं देखेंगी, बल्कि ऐसे स्थानों को प्राथमिकता देंगी जहां पूरा कारोबारी इकोसिस्टम एक-दूसरे को मजबूती देता हो। उन्होंने कहा, अगली पीढ़ी के जीसीसी केवल लोकेशन या इंसेंटिव के आधार पर फैसला नहीं करेंगे। वे ऐसे मजबूत इकोसिस्टम की तलाश करेंगे, जहां हर व्यवस्था एक-दूसरे का सहयोग करे और पूरा सिस्टम एक सतत शृंखला की तरह काम करे। कौल ने यह भी बताया कि शुरूआत में वैश्विक कंपनियां भारत में बड़ी संख्या में उपलब्ध प्रतिभाशाली पेशेवरों (टैलेंट पूल) की वजह से आई थीं, लेकिन अब वे भारत की बढ़ती क्षमताओं और नवाचार को समर्थन देने वाले व्यापक इकोसिस्टम से भी आकर्षित हो रही हैं, जिससे भारत वैश्विक कंपनियों के लिए पहले से अधिक पसंदीदा गंतव्य बन गया है। उनके अनुसार, अब कंपनियां ऐसे स्थानों को प्राथमिकता दे रही हैं जहां उच्च गुणवत्ता वाला इंफ्रास्ट्रक्चर, बेहतर डिजिटल कनेक्टिविटी, स्थिर और पारदर्शी नियम, अच्छी जीवनशैली और नवाचार के अवसर उपलब्ध हों, न कि केवल कर रियायतें।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

कुख्यात उमेश पंडित गिरोह के तीन पिस्टल तस्कर गिरफ्तार

» **गाजियाबाद, यूटर्न/ 15 जुलाई ।**

जिले की स्वॉट टीम ने कुख्यात उमेश पंडित और रणदीप भाटी गिरोह से जुड़े तीन पिस्टल तस्करों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पाकिस्तान, जर्मनी और इटली के फर्जी मार्का लगी सात अवैध पिस्टल बरामद हुई हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपी प्रॉपर्टी डीलिंग की आड़ में मेरठ से हथियार खरीदकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में सप्लाई करते थे। यह काम तिहाड़ जेल में बंद उमेश पंडित के इशारे पर किया जाता था। गिरोह अब तक 20 से अधिक पिस्टल बेच चुका है। आरोपियों के दो साथी अभी फरार हैं। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) राजकरन नय्यर ने बताया

कि राजीव गार्डन इंद्रपुरी, लोनी बॉर्डर निवासी अरुण कुमार (46), सुधीर एन्क्लेव, राम पार्क, ट्रोनिका सिटी निवासी रंजीत राय (39) और ब्राह्मण मोहल्ला, सभापुर, सोनिया विहार (दिल्ली) निवासी अभिषेक शर्मा उर्फ मोटू (29) को गिरफ्तार किया गया है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे लोनी के अंकुर विहार में प्रॉपर्टी डीलिंग करते हैं। कुछ समय पहले रंजीत राय के माध्यम से उनका संपर्क तिहाड़ जेल में बंद कुख्यात उमेश पंडित से हुआ था। उमेश ने उन्हें शामली निवासी रितिक से मिलवाया, जिससे वे 30 से 35 हजार रुपये में पिस्टल खरीदते थे। बाद में इन्हें उमेश पंडित के गुर्गों को 50 से 55 हजार रुपये प्रति पिस्टल के हिसाब से बेच दिया जाता था।

पुलिस के अनुसार, शामली जिले के थाना भवन क्षेत्र निवासी रितिक और खड़खड़ी निवासी सुनील पहलवान की तलाश में टीमें दबिश दे रही हैं। दोनों की गिरफ्तारी के बाद गिरोह के नेटवर्क से जुड़े और खुलासे होने की संभावना है। राम पार्क एक्सटेंशन (लोनी) निवासी 50 हजार रुपये का इनामी बदमाश उमेश पंडित पश्चिमी उत्तर प्रदेश की गैंगवारों में लंबे समय से सक्रिय रहा है। उस पर कई हत्याओं समेत गंभीर अपराध करने के आरोप हैं। उसके पिता केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) में हवलदार थे। दो भाइयों में बड़ा उमेश बीए ऑनर्स तक पढ़ा है। वर्ष 2005 में छात्र राजनीति के दौरान उसने लोनी के एक कॉलेज में छात्र मनोज की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके लिए उसे डासना जेल भेजा गया, जहां उसकी मुलाकात नरेश भाटी गिरोह के नरेंद्र प्रधान व अनिल दुजाना से हुई।

पलटी कार को सीधा कर रहे लोगों को अन्य वाहन ने मारी टक्कर

गाजियाबाद, यूटर्न/ 15 जुलाई । नगर कोतवाली क्षेत्र में लालकुआं के पास बीकानेर बिल्डिंग के सामने डिवाइडर से टकराकर पलटी कार को सीधा कर रहे युवकों को पीछे से आ रही एक कार ने टक्कर मार दी। हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा तीन जुलाई की देर रात करीब दो बजे हुआ। घायल के पिता नरेश कुमार ने नगर कोतवाली में केस दर्ज कराया है। एसीपी नगर कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि जनपद बुलंदशहर के शिकारपुर के मानपुर गांव निवासी नरेश कुमार ने बताया कि तीन जुलाई की रात करीब दो बजे एक ओरा कार बीकानेर बिल्डिंग के सामने डिवाइडर से टकराकर पलट गई। इसी दौरान उन्होंने अपना कैंटर रोका और उनका बेटा पुष्पेंद्र व उसके साथी गाड़ी के पास पहुंचकर उसे सीधा कराने लगे। तभी पीछे से आई तेज रफ्तार स्विफ्ट कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उनका बेटा और उसके साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके बेटे का पिलखुवा में एक अस्पताल में उपचार चल रहा है जबकि अन्य घायल दिल्ली के जीटीबी अस्पताल और पीएसआरआई अस्पताल में भर्ती हैं। एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय का कहना है कि मामले में जांच की जा रही है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

व्यावसायिक भवन पर घरेलू कर लगाया, निगम ने शुरू कराई जांच

गाजियाबाद, यूटर्न/ 15 जुलाई । वार्ड-27 के अंतर्गत शांतिनगर में व्यावसायिक भवन पर घरेलू दरों से कर लगाने का मामला सामने आया है। शिकायत मिलने के बाद निगम के अफसरों ने जांच कराने के आदेश दिए हैं। आरोप है कि भवन स्वामी बीते 20 साल से निगम को राजस्व का नुकसान पहुंचा रहा है और स्थानीय कर्मचारियों की जानकारी में यह पूरा मामला है। पार्षद नरेश जाटव ने बताया कि शांतिनगर में बड़े रकबे में तीन मंजिला भवन है। इसका अधिकांश भाग किराये पर चल रहा है। उनमें व्यावसायिक गतिविधियां हो रही हैं। भवन स्वामी घरेलू दरों पर कर जमा कर रहा है। इससे लाखों का नुकसान हो रहा है। इसके अलावा भी कई भवनों में इसी तरह व्यावसायिक गतिविधियां हो रही हैं। इससे निगम को राजस्व की हानि हो रही है।

स्मार्ट सिटी परियोजना पर सवाल, सीवर लाइन का पता नहीं, नाले की सफाई भी अटकी

फरीदाबाद, यूटर्न/ 15 जुलाई । शहर की पहली स्मार्ट रोड आज प्रशासन के लिए बड़ी तकनीकी चुनौती बन गई है। सेक्टर-29 में करोड़ों रुपये की लागत से बनी सड़क के नीचे डाली गई सीवर लाइन का रिकॉर्ड और सटीक स्थान उपलब्ध नहीं होने के कारण फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) महीनों की कोशिश और करीब डेढ़ करोड़ रुपये खर्च करने के बाद भी उसे चालू नहीं कर पाया है। यह सड़क स्मार्ट सिटी की तरफ से बनाई गई है लेकिन उनके पास सीवर लाइन के रास्तों को लेकर कोई जानकारी नहीं है। इसका सीधा असर सेक्टर-21 से एत्मादपुर तक जाने वाले पुराने बड़े नाले की सफाई पर पड़ रहा है। करीब पांच वर्ष पहले स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सेक्टर-29 से दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे की ओर शहर की पहली स्मार्ट रोड बनाई गई थी। इसी सड़क से केंद्रीय राज्य मंत्री के आवास की ओर भी आवागमन होता है। परियोजना के दौरान सड़क के नीचे नई सीवर लाइन भी डाली गई लेकिन निर्माण पूरा होने के बाद उसका वास्तविक एलाइनमेंट, मैनहोल की ऊंचाई और सटीक लोकेशन का समुचित रिकॉर्ड तैयार नहीं किया गया।

टाइम लिमिट बनी जानलेवा: 10 मिनट में मदद पहुंचाने निकले थे, रास्ते में टैंकर बना काल; दो पुलिसकर्मियों की मौत

» **गुरुग्राम, यूटर्न/ 15 जुलाई ।**

डायल 112 सेवा लागू होने के बाद से किसी भी घटना की कंट्रोल रूम में सूचना मिलने के बाद ईआरवी टीम को 10 मिनट में मौके पर पीड़ित के पास पहुंचना होता है। सोमवार रात फर्रुखनगर इलाके में ईआरवी नंबर 254 पर तैनात चालक सिपाही धर्मेंद्र, ईआरवी इंचार्ज हवलदार अनिल और एसपीओ छोटेलाल को भी यही जल्दी थी। ये मोबाइल झपटमारी की आई सूचना के बाद मौके पर जा रहे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर से अलग होकर अनियंत्रित टैंकर बीच सड़क आ गया और ईआरवी उसमें टकरा गई। हादसे में हवलदार अनिल और एसपीओ छोटेलाल की जान चली गई।

मोर्चरी पर पुलिस अधिकारियों ने दिया परिवार को आश्वासन

हादसे की सूचना के बाद हवलदार और एसपीओ के परिजनों से मिलने गुरुग्राम पुलिस के कई अधिकारी मंगलवार दोपहर बाद मोर्चरी पहुंचे। इनमें संयुक्त पुलिस आयुक्त संगीता कालिया, डीसीपी मुख्यालय डॉ. अंशु सिंगला, एसीपी विशाल रूहिल और एसीपी मनोज कुमार

शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों ने परिजनों से मिलकर उनको हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया गया।

राजकीय सम्मान से किया गया दाह संस्कार

पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि दोनों पुलिसकर्मियों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया गया। दोनों का रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ में राजकीय सम्मान से गुरुग्राम पुलिस के द्वारा दाह संस्कार किया गया।

बीएसएफ से सेवानिवृत्त होकर एसपीओ भर्ती हुए थे छोटेलाल

मूलरूप से महेंद्रगढ़ के कनीना के रहने वाले 52 वर्षीय छोटेलाल बीएसएफ से हवलदार पद से सेवानिवृत्त होने के बाद सात साल पहले हरियाणा पुलिस में बतौर एसपीओ भर्ती हुए थे। चार साल तक फरीदाबाद में कार्यरत रहने के बाद वो बीते तीन साल से गुरुग्राम में कार्यरत थे। उनके दो बेटे हैं और दोनों अलग-अलग विभाग में क्लर्क के तौर पर नौकरी कर रहे हैं।

साल 2007 में सिपाही भर्ती हुए थे अनिल

मृतक रेवाड़ी के गोकलगढ़ निवासी हवलदार अनिल के परिजनों ने बताया कि अनिल कुमार साल 2007 में हरियाणा पुलिस में बतौर सिपाही भर्ती हुए थे। परिवार में उनके दो बेटे और एक पत्नी है। दोनों बेटे कॉलेज में पढ़ाई कर रहे है। अनिल सोमवार सुबह ही घर से ड्यूटी के लिए गुरुग्राम में आए थे।

युवाओं के भविष्य को संवार रहे कौशल विकास केंद्र

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 15 जुलाई ।**

आज के दौर में केवल डिग्री होना ही काफी नहीं है, बल्कि कौशल होना जरूरी है। इसी सोच के साथ जिले में चल रहे कौशल विकास केंद्र युवाओं के भविष्य को एक नई दिशा देने में बेहद अहम भूमिका निभा रहे हैं। इन केंद्रों में ट्रेनिंग लेकर युवा खुद को हुनरमंद बना रहे हैं। साथ ही संस्थान में जाकर अपने टैलेंट को साबित करने के लिए पूरी तरह तैयार हो रहे हैं। रोजगार की जरूरतों को देखते हुए जिले के प्रमुख इलाकों में कौशल विकास केंद्र अहम भूमिका निभा रहे है। सेक्टर-16, एनआईटी, नीलम बाटा रोड और बल्लभगढ़ सहित विभिन्न क्षेत्रों में इस समय 20 से अधिक मुख्य कौशल विकास केंद्र चलाए जा रहे हैं। इन सभी केंद्रों से वर्तमान में सैकड़ों युवा अलग-अलग क्षेत्रों की प्रोफेशनल ट्रेनिंग प्राप्त कर रहे हैं। जिले के युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं बदलाव ला रही हैं। भारत सरकार की प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना और राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के माध्यम से युवाओं को उच्च गुणवत्ता का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

डेबिट कार्ड बदलकर बैंक खाते से निकाले 26 हजार रुपये

» **खोड़ा, यूटर्न/ 15 जुलाई ।**

थानाक्षेत्र के शंकर विहार निवासी शशि रंजन का डेबिट कार्ड बदलकर टप्पेबाज ने उनके बैंक खाते से 26 हजार रुपये निकाल लिए। वारदात 15 अप्रैल की है जब वह एटीएम बूथ पर रुपये निकालने पहुंचे थे। ऑनलाइन शिकायत होने के बाद थाने में प्राथमिकी दर्ज करने में पुलिस को तीन माह लग गए। 14 जुलाई को पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

शशि रंजन ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 15 अप्रैल की रात करीब 8:30 बजे कॉलोनी स्थित एटीएम बूथ पर रुपये निकालने गए थे। तकनीकी दिक्कत के चलते उनके खाते से रुपये नहीं निकले तो उसी दौरान एक युवक पहुंचा। उसने रुपये निकालने में मदद करने की बात कहते हुए डेबिट कार्ड का पासवर्ड ले लिया। इसके बाद उनको बातों में

उलझाकर कार्ड बदल दिया। एक बार रुपये निकालने का प्रयास किया और असफल होने की बात कहकर चला गया। कुछ घंटे बाद उनके मोबाइल फोन पर बैंक खाते से 26 हजार रुपये निकलने का मैसेज आया। उन्होंने तुरंत बैंक के हेल्पलाइन नंबर पर फोन करके अपना डेबिट कार्ड ब्लॉक करवाया और साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। तीन माह बाद अब पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की है।

वेयरहाउस में भड़की आग, दो कंपनियां भी चपेट में आई; कर्मचारियों ने भागकर बचाई जान

» **गुरुग्राम, यूटर्न/ 15 जुलाई ।**

पटौदी रोड स्थित झुंड सराय में मंगलवार देर रात लाइफ लॉन्ग कंपनी के वेयरहाउस में आग लग गई। तेज हवा और वेयरहाउस में रखे ज्वलनशील सामान के कारण लपटें तेजी से फैल गई। देखते ही देखते उसी बिल्डिंग में संचालित दो अन्य कंपनियां भी आग की चपेट में आ गई।

आग लगते ही वेयरहाउस में मौजूद कर्मचारियों ने तुरंत बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही फायर विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं, लेकिन आग की गंभीरता को देखते हुए गुरुग्राम के सभी फायर स्टेशनों के अलावा कई निजी कंपनियों से भी दमकल की गाड़ियां बुलानी पड़ीं। दो दर्जन से अधिक फायर ब्रिगेड की गाड़ियां रातभर आग बुझाने में जुटी रहीं। दमकल कर्मियों को एक साथ तीन अलग-अलग स्थानों पर लगी आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। लगातार पानी की बौछारें डालकर आग को फैलने से रोकने का प्रयास किया गया।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन तीनों कंपनियों को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है और नुकसान का आकलन किया जा रहा है।

सरकारी काम में बाधा डालने और जेई से हाथापाई पर करने के मामले में एफआईआर दर्ज

» **फरीदाबाद, यूटर्न/ 15 जुलाई ।**

पल्ला थाना क्षेत्र के इस्माइलपुर में बिजली विभाग के कार्य में बाधा डालने, सड़क जाम करने, बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर के साथ हाथापाई करने के मामले में दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के अधिकारियों की शिकायत और सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के

खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

विभागीय शिकायत के अनुसार, 10 जुलाई को शाम करीब 6 बजे बिजली विभाग की टीम इस्माइलपुर क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति बहाल करने के लिए ट्रांसफॉर्मर लगाने गई थी। इसी दौरान गुरप्रीत कौर और उनके साथियों ने बिजली न आने का विरोध करते हुए सरकारी काम में बाधा पहुंचाई और इस्माइलपुर-बसंतपुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया। इस जाम के कारण ट्रांसफॉर्मर समय पर घटना स्थल तक नहीं पहुंच सका और करीब तीन घंटे तक बिजली बहाली का काम पूरी तरह ठप रहा। आरोप है कि प्रदर्शन के दौरान लोगों ने वहां मौजूद बिजली विभाग के जेई शिवकुमार के साथ गाली-गलौज, हाथापाई की।

घटना की सूचना पाकर जब ईआरवी और चौकी से एएसआई सत्यवान पुलिस बल व महिला कांस्टेबलों के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद भीड़ ने पुलिस मुदार्बाद के नारे लगाने शुरू कर दिए।

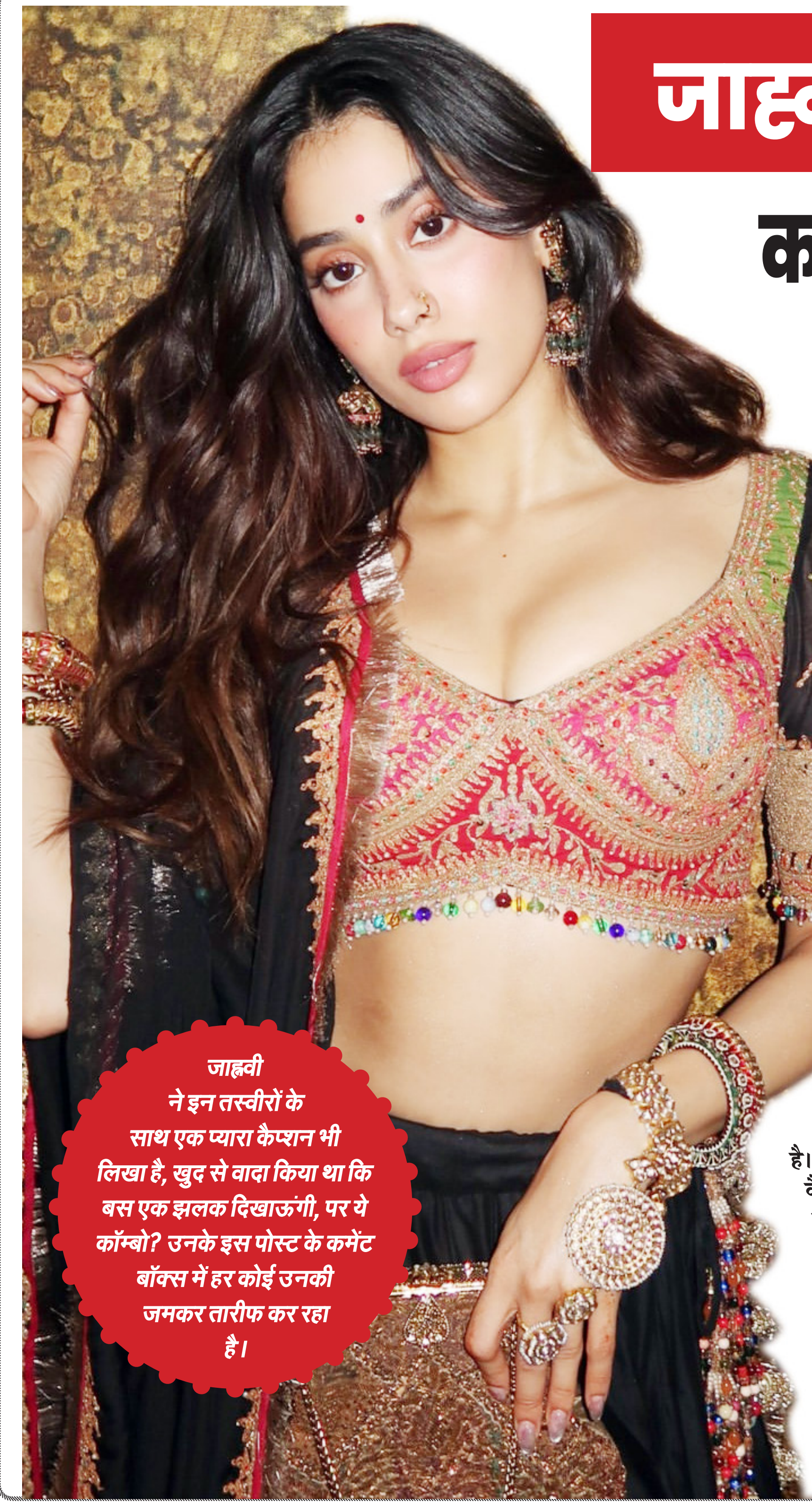

जाह्नवी कपूर का ब्लैक लहंगें वाला लुक

जाह्नवी ने इन तस्वीरों के साथ एक प्यारा कैप्शन भी लिखा है, खुद से वादा किया था कि बस एक झलक दिखाऊंगी, पर ये कॉम्बो? उनके इस पोस्ट के कमेंट बॉक्स में हर कोई उनकी जमकर तारीफ कर रहा है।

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर इन दिनों अपने आकर्षक फैशन और स्टाइल के चलते सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में उनकी सौतेली बहन अंशुला कपूर की शादी के दौरान उनके हर एक लुक को दर्शकों ने खूब पसंद किया था। अब एक बार फिर जाह्नवी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें वे बेहद खूबसूरत लग रही हैं। इन तस्वीरों में जाह्नवी ने काले रंग का लहंगा पहना हुआ है, जिस पर उनके फैंस लगातार प्यार बरसा रहे हैं। जाह्नवी कपूर द्वारा पहना गया यह लहंगा डिजाइनर रिंपल और हरप्रीत ने डिजाइन किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 1.5 लाख रुपये बताई जा रही है। इस फ्लेयर्ड स्कर्ट को एंटीक गोल्ड टोन की पेजली और फ्लोरल मोटिफ वाली बारीक कढ़ाई से सजाया गया है, जो इस आउटफिट को एक शाही लुक दे रही है। जाह्नवी ने इन तस्वीरों के साथ एक प्यारा कैप्शन भी लिखा है, खुद से वादा किया था कि बस एक झलक दिखाऊंगी, पर ये कॉम्बो ? उनके इस पोस्ट के कमेंट बॉक्स में हर कोई उनकी जमकर तारीफ कर रहा है। जाह्नवी ने अपने इस एथनिक लुक को रंग-बिरंगी कढ़ाई वाले ब्लाउज और हल्के मेटैलिक बॉर्डर वाले दुपट्टे के साथ स्टाइल किया। उन्होंने संजनी ज्वेल्स की खूबसूरत ज्वेलरी और एक डिजाइनर बैग के साथ अपने लुक को और आकर्षक बनाया।

प्रियंका चोपड़ा के साथ आठ साल की शादी में सबसे अच्छी चीज बॉलीवुड गॉसिप : निक जोनास

सिंगर-एक्टर निक जोनास ने बताया है कि ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा से शादी के बाद उन्हें जो चीज सबसे ज्यादा पसंद है, वह है बॉलीवुड गॉसिप से अपडेट रहना। जोनास ब्रदर्स की नई पॉडकास्ट सीरीज 'हे जोनास!' के एक एपिसोड में, जिसमें निक, प्रियंका चोपड़ा, केविन जोनास और जो जोनास शामिल थे, सिंगर ने मजाक में कहा कि उनकी लगभग आठ साल की शादी का सबसे बड़ा फायदा यह रहा है कि उन्हें बॉलीवुड की ताजा खबरों और गॉसिप के बारे में पता चलता रहता है। निक ने कहा, 'इन आठ सालों में मुझे जो चीज सबसे ज्यादा पसंद आई, वह है बॉलीवुड की गॉसिप जो मुझे सुनने को मिली।' प्रियंका ने अपने पति की टांग खींचते हुए कहा, 'हमारी पूरी शादी में तुम्हें यही सबसे ज्यादा पसंद आया? उनका पूरा फीड गॉसिप से भरा रहता है।' उन्होंने आगे बताया कि निक को अक्सर बॉलीवुड में ब्रेकअप के बारे में उनसे पहले ही पता चल जाता है। 'मुझे पता नहीं चलता कि किसका किसके साथ ब्रेकअप हो गया है और तुम ही मुझे बताते हो। अक्सर ऐसा तब होता है जब मैं किसी को टेक्स्ट कर रही होती हूं और कहती हूं, 'अरे, फलां-फलां को मेरा प्यार देना।' और वह कहते हैं, 'नहीं, उनका ब्रेकअप हो गया है।' और मैं कहती हूं, 'ओह, तो तुम गॉसिप पर नजर रखते हो।'' निक ने हंसते हुए माना, 'हां, मैं रखता हूं।' केविन और जो ने उनसे खुलकर पूछा कि वह किसके अपडेट्स और गॉसिप को फोलो करते हैं, लेकिन निक ने नाम बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, 'मैं नाम नहीं बता सकता। वे हमारे दोस्त हैं।' सिंगर ने यह भी माना कि वह चुपके से कुछ बॉलीवुड गॉसिप पेजों को फॉलो करते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'कुछ ऐसे अकाउंट्स हैं जिन्हें मैं 'घोस्ट फॉलो' करता हूं, जानते हो? वहां कुछ अच्छी गॉसिप मिलती है। ऐसी कई कहानियां होती हैं जिन्हें फॉलो करना पड़ता है।' निक और प्रियंका की बात करें तो, दोनों की पहली मुलाकात 2017 में ऑस्कर की आफ्टर-पार्टी में हुई थी और 2018 में उन्होंने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। उसी साल उनकी सगाई हुई और दिसंबर 2018 में जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में उन्होंने शादी की, जिसमें ईसाई और हिंदू दोनों रीति-रिवाजों का पालन किया गया।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप अगले माह, भारतीय दल की अगुवाई करेंगी सिंधु

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 15 जुलाई ।

बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) विश्व चैंपियनशिप 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली में होगी। इसमें 10 सदस्यीय भारतीय बैडमिंटन टीम की अगुवाई ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधु करेंगी। बीडब्ल्यूएफ ने इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफिकेशन सूची जारी कर दी है, जिसमें भारत के कुल 10 खिलाड़ियों को पांच स्पर्धाओं में उतरने का अवसर मिला है। इन खिलाड़ियों में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की देश की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी भी शामिल है।

सिंधु को बीडब्ल्यूएफ के नियमों के तहत मेजबान देश की प्रतिनिधि के तौर पर महिला एकल ड्रॉ में जगह मिली है। यह क्वालिफिकेशन सूची 28 अप्रैल की वर्ल्ड बैडमिंटन रैंकिंग पर आधारित है, जिसमें पुरुष और महिला एकल में 64-64 खिलाड़ी और प्रत्येक युगल स्पर्धा में 48-48 जोड़ियां शामिल हैं।

नियमानुसार, विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रत्येक वर्ग में भारत के दो खिलाड़ियों को सीधे प्रवेश मिला है। वहीं पुरुष एकल वर्ग में देश का प्रतिनिधित्व लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी करेंगे, जिन्होंने अपनी रैंकिंग के बल पर प्रवेश हासिल किया है। वहीं, महिला एकल में सिंधु के साथ उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को भी जगह मिली है। पुरुष यगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी को भी शामिल किया गया है। पुरुष युगल की बात करें तो हरिहरन अमसाकरुणन और एमआर अर्जुन को अवसर मिला है।

दूसरी ओर महिला युगल में 30वें स्थान पर कायम ट्रेसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी भारत की ओर से चुनौती पेश करेगी, जबकि कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी ने दूसरी भारतीय जोड़ी के रूप में प्रवेश हासिल किया है।

मिश्रित युगल स्पर्धा में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो ने 21वें स्थान के साथ अपनी जगह बनाई है, और उनके साथ रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे देश के लिए दूसरी मिश्रित युगल जोड़ी के तौर पर खेलेंगे।

अपने अनुभव का हमें इंग्लैंड के खिलाफ फायदा मिलेगा : लियोनेल स्कालोनी

अटलांटा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 के दूसरे सेमीफाइनल में डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना की भिड़ंत इंग्लैंड से होनी है। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी का कहना है कि उनकी टीम को बड़े टूर्नामेंटों में खेलने के अनुभव का फायदा इंग्लैंड के खिलाफ मिलेगा। उनका मानना है कि लगातार बड़े मैच खेलने से खिलाड़ियों में आत्मविश्वास और धैर्य बढ़ता है।

अर्जेंटीना बुधवार को इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में पहुंचने के इरादे से मैदान पर उतरेगा। यह टीम के लिए पिछले पांच बड़े टूर्नामेंटों में पांचवां सेमीफाइनल मुकाबला होगा। कतर में हुए फीफा वर्ल्ड कप को जीतने के बाद अर्जेंटीना की निगाहें अपने खिताब का बचाव करने पर होगी।

कोच स्कालोनी ने सेमीफाइनल मैच से पहले कहा, 'हमें ऐसे बड़े मुकाबले खेलने का अनुभव है। यह जरूरी नहीं कि अनुभव हमेशा जीत दिलाए, लेकिन इससे खिलाड़ियों को शांत रहने में मदद मिलती है। एक टीम के रूप में यह हमारा पांचवां सेमीफाइनल है और इससे हमें आत्मविश्वास मिलता है। खिलाड़ी शांत हैं और इस चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार हैं।' अर्जेंटीना के कोच ने कहा कि टीम अपनी पहचान और खेलने के तरीके को बनाए रखते हुए इंग्लैंड के खतरनाक खिलाड़ियों से निपटने की योजना बना रही है। उन्होंने खास तौर पर इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन और युवा स्टार जूड

बेलिंगहम की तारीफ की। स्कालोनी ने कहा, 'हम हमेशा अपनी टीम को बेहतर बनाने और विपक्षी खिलाड़ियों को रोकने के लिए काम करते हैं। हम अपनी रणनीति में बदलाव कर सकते हैं या पहले अपनाए गए तरीके को जारी रख सकते हैं। हमारे खिलाड़ी अभी नहीं जानते कि अंतिम प्लेइंग इलेवन क्या होगी, लेकिन हम जानते हैं कि हमें दुनिया के दो बेहतरीन खिलाड़ियों का सामना करना है। कोई भी कोच ऐसे खिलाड़ियों को अपनी टीम में रखना चाहेगा। हालांकि, हमारे पास भी अपनी ताकत है और हम उन्हें रोकने की पूरी कोशिश करेंगे।' उन्होंने कहा कि अर्जेंटीना की कोशिश होगी कि ज्यादा से ज्यादा समय तक गेंद पर नियंत्रण रखा जाए, ताकि इंग्लैंड को तेज जवाबी हमले करने के मौके कम मिलें। कोच के अनुसार, 'हमारी सोच साफ है कि गेंद हमारे पास रहे। अगर कभी गेंद विपक्षी टीम के पास चली जाए तो हमें ज्यादा परेशानी नहीं होनी चाहिए। इंग्लैंड के पास तेज गति वाले और वन-ऑन-वन में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी हैं। उनकी खूबियां अलग-अलग हैं, इसलिए हमें सावधान रहना होगा। हम गेंद पर नियंत्रण रखने के साथ-साथ उन्हें अपनी रणनीति से चौंकाने की कोशिश करेंगे।' 48 वर्षीय स्कालोनी 2018 से अर्जेंटीना टीम के कोच हैं।

उनके नेतृत्व में टीम ने 2019 में कोपा अमेरिका के सेमीफाइनल में जगह बनाई। इसके बाद अर्जेंटीना ने 2021 और 2024 में कोपा अमेरिका खिताब जीता और 2022 में विश्व कप का खिताब भी अपने नाम किया। स्कालोनी ने कहा कि वह टीम के लगातार सफलता हासिल करने को कभी हल्के में नहीं लेते। उन्होंने माना कि सेमीफाइनल तक पहुंचना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

स्कालोनी ने कहा, 'मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इस स्थिति में पहुंच पाऊंगा। करीब डेढ़ महीने पहले अगर कोई कहता कि हम यहां तक पहुंचेंगे तो मैं इसके लिए तुरंत तैयार हो जाता। हम इस उपलब्धि से बहुत खुश हैं। हम यह नहीं सोच रहे कि हम यहां कैसे पहुंचे, बल्कि इस बात पर ध्यान है कि अब हम यहां हैं और आगे क्या करना है।'

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

फटाफट खबरें

साल 2050 तक कैंसर बनेगा कोरोना से भी बड़ी आपदा: डब्ल्यूएचओ

जिनेवा, यूटर्न/ 15 जुलाई । साल 2050 तक कैंसर कोरोना महामारी से भी बड़ी आपदा का रूप ले सकता है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि आने वाले दशकों में कैंसर दुनिया की 92 प्रतिशत आबादी को किसी न किसी रूप में प्रभावित करेगा, जिनमें मरीज और उनके देखभालकर्ता दोनों शामिल होंगे। हाल ही में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा जारी इस ताजा रिपोर्ट ने वैश्विक समुदाय को गंभीर चिंता में डाल दिया है। यह भयावह आंकड़ा दर्शाता है कि यह सिर्फ एक बीमारी नहीं, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और आर्थिक संकट बनने की राह पर है। डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में हर पांच में से एक व्यक्ति अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार कैंसर का शिकार हो सकता है। वर्तमान में भी कैंसर एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। साल 2024 में दुनियाभर में 20.6 मिलियन से अधिक नए कैंसर के मामले सामने आए हैं।

जापान की नेमावाशी तकनीक जो सदियों पुराने पेड़ों को देती है नया जीवन

टोक्यो, यूटर्न/ 15 जुलाई । जहां भारत जैसे कई देशों में सड़क, रेलवे या नई आवासीय परियोजनाओं के लिए सदियों पुराने पेड़ों को काट दिए जाते है, वहीं जापान में इसके बिल्कुल विपरीत होता है। यहां विकास के नाम पर प्राचीन वृक्षों को नष्ट नहीं किया जाता, बल्कि उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान पर सावधानीपूर्वक स्थानांतरित किया जाता है। विशेषज्ञों की देखरेख में पूरी होने वाली जटिल प्रक्रिया में कभी-कभी कई महीने या साल भर से भी अधिक का समय लग जाता है। इस अनूठी पेड़-स्थानांतरण प्रक्रिया को नेमावाशी कहा जाता है। यह तकनीक बागवानी के सदियों पुराने ज्ञान और आधुनिक इंजीनियरिंग का शानदार मिश्रण है, जो प्रकृति के प्रति जापानी समाज के गहरे और लंबे समय से चले आ रहे सम्मान को दर्शाती है। जापान ने दुनिया को दिखाया है कि विकास कार्य और पर्यावरण की रक्षा एक साथ संभव हैं। हालांकि, जापान में हर विकास योजना की चपेट में आने वाले पेड़ को स्थानांतरित नहीं करती। यह तरीका आमतौर पर उन पेड़ों के लिए अपनाया जाता है जिनका ऐतिहासिक, सांस्कृतिक या पारिस्थितिक महत्व बहुत अधिक होता है। इनमें मंदिर और धार्मिक स्थलों, पारंपरिक बगीचों, पार्कों या ऐतिहासिक इलाकों में पाए जाने वाले वे पेड़ शामिल हैं, जो पीढ़ियों से खड़े हैं और उन्हें विरासत का अभिन्न अंग माना जाता है।

जापान को समुद्र में मिला सोना, पर निकालना है बड़ी चुनौती

टोक्यो, यूटर्न/ 15 जुलाई । जापान के वैज्ञानिकों ने समुद्र की गहराई में दुनिया के सबसे समृद्ध स्वर्ण भंडारों में से एक मानी जा रही खोज की है। यह सोना सामान्य रूप में दिखाई नहीं देता, बल्कि चट्टानों के भीतर परमाणु स्तर और बेहद सूक्ष्म कणों के रूप में मौजूद है। इस वजह से वैज्ञानिक इसे अदृश्य सोना भी कह रहे हैं। हालांकि यह खोज समुद्री खनन के क्षेत्र में नई संभावनाएं लेकर आई है, लेकिन इसे निकालने के सामने तकनीकी, आर्थिक और पर्यावरणीय चुनौतियां भी कम नहीं हैं। यह खोज टोक्यो से करीब 350 किलोमीटर दक्षिण में स्थित हिगाशी-आओगाशिमा नामक डूबे हुए ज्वालामुखीय क्रेटर में हुई है। यहां वैज्ञानिकों को सक्रिय हाइड्रोथर्मल वेंट्स मिले हैं, जो समुद्र की गहराई से गर्म और धातुओं से भरपूर तरल पदार्थ बाहर निकालते हैं।

फोटो स्टोरी

बैंकाक के रॉग बीयर ना लट फ्रो बार में लगी आग में मारे गये दामाद और बेटी को याद कर प्रार्थना करती हुई एक महिला।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव

वाशिंगटन, यूटर्न/ 15 जुलाई । अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। फेडरल रिजर्व के चेयरमैन केविन वार्श ने अमेरिकी कांग्रेस में अपनी पहली पेशी के दौरान कहा कि केंद्रीय बैंक महंगाई को काबू में लाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फेडरल रिजर्व लगातार मूल्य स्थिरता बनाए रखने की दिशा में काम कर रहा है और बढ़ती महंगाई को किसी भी कीमत पर लंबे समय तक बने रहने नहीं देगा। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की फाइनेंशियल सर्विसेज कमेटी के सामने केविन वार्श ने बताया कि जून में हुई फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक में संघीय ब्याज दर को 3.5 प्रतिशत से 3.75 प्रतिशत के दायरे में ही रखने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा, 'हमारी समिति के सदस्य लंबे समय तक ऊंची महंगाई को बिल्कुल स्वीकार नहीं करेंगे। हम 2 प्रतिशत महंगाई के लक्ष्य को हासिल करने और कीमतों में स्थिरता बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

यूएई का मास्टरप्लान: नए बंदरगाह से बदलेगा खाड़ी व्यापार

होर्मुज की निर्भरता कम करने की तैयारी

» **दुबई, यूटर्न/ 15 जुलाई ।**

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने होर्मुज जलडमरूमध्य को वैश्विक व्यापार के लिए एक नया और संवेदनशील मोर्चा बना दिया है। दोनों देशों के बीच रणनीतिक वर्चस्व की होड़ में, दुनिया के कई देशों की तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है, जिससे कुछ स्थानों पर किल्लत जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई है। इस गंभीर समस्या का समाधान निकालने के लिए, भारत के करीबी सहयोगी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने एक महत्वाकांक्षी योजना तैयार की है, जिसके तहत अगले 18 महीनों में होर्मुज की निर्भरता को खत्म करने और तेल आपूर्ति के लिए एक नया, सुरक्षित विकल्प खड़ा करने का लक्ष्य रखा गया है। दुबई की दिग्गज लॉजिस्टिक्स कंपनी डीपी वर्ल्ड अब होर्मुज स्ट्रेट के खतरे को स्थायी रूप से टालने की तैयारी में है। यूएई इसके लिए अपने पूर्वी तट पर एक बिल्कुल नया, आधुनिक और हाईटेक बंदरगाह तथा विशाल कंटेनर टर्मिनल बनाने की तैयारी में जुट गया है। इस रणनीतिक मास्टरप्लान का सीधा मकसद दुनिया के सबसे व्यस्त बंदरगाहों में से एक जेबेल अली पर अपनी निर्भरता को कम करना है, ताकि होर्मुज के संकरे रास्ते में ईरान जब चाहे तब बाधा न डाल सके। जब से ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को ब्लॉक करने की धमकी दी है, तब से खाड़ी देशों का समुद्री व्यापार काफी प्रभावित हुआ है। मध्य पूर्व के सबसे बड़े और दुबई की आर्थिक शक्ति माने जाने वाले जेबेल अली पोर्ट पर व्यापारिक गतिविधियों में 90 से 95 प्रतिशत की भारी और ऐतिहासिक गिरावट दर्ज की गई है। इस विशाल पोर्ट पर अब बड़े मालवाहक जहाजों का आना-जाना लगभग पूरी तरह ठप हो चुका है।

अमेरिका ने ईरान पर एक और दौर के हमले किये, होर्मुज के पास सैन्य ठिकाने निशाने पर

वाशिंगटन, यूटर्न/ 15 जुलाई । अमेरिका के केंद्रीय कमान (सेंटकॉम) ने मंगलवार देर रात कहा कि उसने ईरान के खिलाफ एक और चरण के हमले पूरे करते हुए होर्मुज जलडमरूमध्य और ईरानी तटीय क्षेत्रों के निकट दर्जनों सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। सेंटकॉम ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी लड़ाकू विमानों, ड्रोन और नौसैनिक पोतों ने सात घंटे तक चले अभियान में ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों, नौसैनिक क्षमताओं तथा तटीय रक्षा प्रणालियों पर सटीक हमले किये। बयान के अनुसार, इन हमलों का उद्देश्य कारोबारी जहाजों और नागरिक चालक दल के लिए खतरा पैदा करने की ईरान की क्षमता को और कमजोर करना था। सेंटकॉम ने यह भी बताया कि इसी दिन अमेरिकी बलों ने ईरानी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों से आने-जाने वाले जहाजों के खिलाफ नौसैनिक नाकाबंदी भी फिर से शुरू कर दी। बयान में कहा गया, 'अमेरिकी बल पूरी तरह सतर्क, घातक क्षमता से लैस और राष्ट्रपति के निर्देशानुसार कार्रवाई के लिए तैयार हैं।' इस बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई आने वाले दिनों में जारी रहेगी और और तेज होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान वार्ता की मेज पर नहीं लौटता है तो अगले सप्ताह अमेरिका ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों को भी निशाना बनाएगा। हाल के दिनों में होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच तनाव लगातार बढ़ा है।

पाकिस्तान पुलिस की अफगान नागरिकों के खिलाफ मुहिम 13 चिकित्सकों और एक मेडिकल छात्र गिरफ्तार

» **काबुल, यूटर्न/ 15 जुलाई ।**

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत स्थित मुल्तान शहर में पुलिस ने 13 अफगान डॉक्टरों और एक मेडिकल छात्र को गिरफ्तार कर उन्हें डिपोर्टेशन सेंटर भेज दिया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इन सभी का कहना है कि उनके वीजा आवेदन लगभग एक वर्ष से लंबित हैं, इसके बावजूद उन्हें हिरासत में लिया गया। मंगलवार को हिरासत में लिए गए डॉक्टरों ने बताया कि पुलिस ने उन्हें मुल्तान के एक सरकारी अस्पताल से गिरफ्तार कर अटक स्थित एक निरुद्ध केंद्र (डिटेंशन सेंटर) भेज दिया, जहां से उन्हें अफगानिस्तान भेजा जा सकता है। अफगान समाचार एजेंसी खामा प्रेस के अनुसार, इन लोगों ने करीब एक वर्ष पहले नए वीजा या वीजा विस्तार के लिए आवेदन किया था, लेकिन पाकिस्तानी अधिकारियों ने अब तक कोई निर्णय नहीं लिया। हिरासत में लिए गए डॉक्टरों के अनुसार, इनमें से पांच ने नए प्रवेश वीजा के लिए आवेदन किया था, जबकि अन्य डॉक्टरों ने अपने मौजूदा वीजा के विस्तार का अनुरोध किया था। उनका कहना है कि पिछले एक वर्ष के दौरान पाकिस्तानी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने कई बार उनके दस्तावेजों की जांच की, लेकिन उनके आव्रजन (इमिग्रेशन) मामलों पर अब तक कोई आधिकारिक फैसला नहीं हुआ।

डॉक्टरों ने चिंता जताई कि मेडिकल विशेषज्ञता और प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा होने से पहले ही उन्हें अफगानिस्तान भेजा जा सकता है। उन्होंने पाकिस्तान सरकार और अफगान अधिकारियों से हस्तक्षेप कर पढ़ाई पूरी होने तक पाकिस्तान में रहने की अनुमति देने की अपील की है। यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब पाकिस्तान अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों, विशेषकर अफगान नागरिकों, के खिलाफ अभियान तेज कर रहा है। हाल के महीनों में देशभर में हिरासत और निर्वासन की कार्रवाई में तेजी आई है।

इस बीच, पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में स्थित तीन शरणार्थी शिविरों को पूरी तरह खाली कराकर 525 अफगान परिवारों को उनके देश वापस भेज दिया गया है। अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी) उमर खिताब खान ने बताया कि खैबर पख्तूनख्वा सरकार के निर्देशों के अनुसार अफगान शरणार्थियों की चरणबद्ध वापसी की जा रही है। पाकिस्तानी दैनिक डॉन के अनुसार, बिजान खेल, घोरीवाला और ममंद खेल शरणार्थी शिविरों में रह रहे 525 अफगान परिवारों को तोरखम सीमा चौकी के रास्ते अफगानिस्तान भेजा गया।

ट्रंप की धमकी: पुल और पावर प्लांट तबाह कर देंगे, मचेगा हाहाकार

» **वॉशिंगटन, यूटर्न/ 15 जुलाई**

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है, जिससे वैश्विक स्तर पर हाहाकार मचने की आशंका गहरा गई है। दोनों देशों के बीच हुआ युद्धविराम समझौता पूरी तरह टूट चुका है और अब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर वह जल्द से जल्द बातचीत की मेज पर नहीं लौटता, तो अगले सप्ताह से अमेरिकी सेना ईरान के बुनियादी ढांचे, जिसमें पुल और पावर प्लांट शामिल हैं, को पूरी तरह तबाह कर देगी। ट्रंप ने स्पष्ट कहा है कि ईरानियों के पास अब डील करने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचा है। ट्रंप ने एक साक्षात्कार में अपने कड़े रुख को स्पष्ट करते हुए कहा, अगला हफ्ता उनके लिए बहुत बुरा होने वाला है क्योंकि अगले हफ्ते पावर प्लांट्स का नंबर आएगा। अगले हफ्ते पुलों की बारी आएगी। हम उनके सभी पावर प्लांट्स और सभी पुलों को उड़ा देंगे, जब तक कि वे समझौता नहीं कर लेते। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अमेरिकी सेना के ये हमले तब तक जारी रहेंगे जब तक वे खुद बहुत हो गया न कह दें। ट्रंप के इस बयान ने मध्य पूर्व में पहले से ही तनावपूर्ण माहौल को और अधिक गंभीर बना दिया है।

यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी सेना लगातार चौथे दिन ईरान के सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले कर रही है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने जानकारी दी है कि ईरान के सभी बंदरगाहों और तटीय क्षेत्रों में नाकेबंदी को दोबारा पूरी तरह लागू कर दिया गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अमेरिका ने 20 से अधिक युद्धपोत और सैकड़ों लड़ाकू विमान भी तैनात कर दिए हैं, जिससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज एक बार फिर जंग का अखाड़ा बन गया है। इस बीच, पहले अमेरिका ने ईरान के कई ठिकानों को निशाना बनाया था, जिसके जवाब में ईरान ने बहरीन और जॉर्डन जैसे देशों पर हमला कर दिया था, जिसने क्षेत्रीय अस्थिरता को और बढ़ा दिया। अमेरिका के इस आक्रामक रवैये पर ईरान ने भी तीखी प्रतिक्रिया दी है। ईरान के उप-विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने अमेरिका पर इस्लामाबाद समझौता तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा है कि अमेरिका ने फिर से नाकेबंदी लागू करके और शर्तों से पीछे हटकर इस समझौते को पूरी तरह नष्ट कर दिया है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619

* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *